■ वैशाख कृष्ण - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 255 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 14-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 अपने वोटों को साधने के लिए ममता सरकार ने बंगाल को जलने के लिए छोड़ा : शेखावत

6 राष्ट्र के सजग पथ प्रदर्शक थे डा. अंबेडकर

7 'पुरातन' मेरी आखिरी बांग्ला फिल्म हो सकती है : शर्मिला टैगोर

फर्स्ट टेक

पूर्वी कांगो में सरकार और रवांडा समर्थित विद्रोहियों के बीच हिंसक झड़प में कई लोगों की मौत

गोमा (कांगो)/एपी। संघर्ष प्रभावित पूर्वी कांगो में सप्ताहांत के दौरान हुए हमलों में कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकार ने रवांडा समर्थित विद्रोहियों पर हिंसा का आरोप लगाया। पूर्वी कांगो के सबसे बड़े शहर गोमा और उसके आसपास के इलाकों में हाल में हुई हिंसा कतर और अफ्रीकी देशों द्वारा जारी शांति प्रयासों के लिए सबसे बड़ा खतरा है। गोमा निवासी अम्बोमा सफारी ने बताया कि कैसे उनके परिवार के चार सदस्यों ने शुक्रवार रात को गोलियों और बम धमाकों की आवाजें सुनकर बिस्तर के नीचे रात बिताई। सफारी ने बताया, हमने सैनिकों की लाशें देखीं, लेकिन हमें नहीं पता कि वे किस समूह से हैं।

राज्यपाल ने ओडिशा विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति की मंजूरी के साथ ही राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार के मकसद से बनाया गया ओडिशा विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2024 रविवार से प्रभावी हो गया है। ओडिशा विधानसभा में व्यापक चर्चा के बाद दो अप्रैल को विधेयक पारित किया गया था और 12 अप्रैल को इसे राज्यपाल की मंजूरी मिल गई। ओडिशा के उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज ने राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ''नया सवेरा'' बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने, लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों का समाधान करने और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ाने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी बदलाव लाएगा।

आतंकी मॉड्यूल के दो सदस्य गिरफ्तार : पंजाब पुलिस

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि एक आतंकी मॉड्यूल के दो सदस्यों को आरडीएक्स युक्त संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि आरोपियों की पहचान जग्गा सिंह और मनजिंदर सिंह के रूप में हुई है। यादव ने कहा कि वे जर्मनी में रहने वाले गुरप्रीत सिंह उर्फ गोल्डी ढिल्लों द्वारा संचालित आतंकी मॉड्यूल के प्रमुख सदस्य हैं। ढिल्लों गोल्डी बराड़-लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा है।

14-04-2025 सूर्यास्त 6:21 बजे	15-04-2025 सूर्योदय 6:56 बजे

BSE	NSE
75,157.26 (+1,310.11)	22,828.55 (+429.40)

सोना	चांदी
9,312 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	102,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धन की गति

भाग रहे धनपति उधार ले,
कर्जे माफ किसानों के।
दान कर रहे कर चोरी कर,
बैंक हुए धनवानों के।
ब्याज खा गया मूल राशि को,
सौदे सिर्फ जबानों के।
राजकोष के धन के बल पर,
होते मजे सयानों के।।

अंबेडकर भावी पीढ़ियों को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते रहेंगे : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर नागरिकों को बधाई दी और कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उनका योगदान भविष्य की पीढ़ियों को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करने को प्रेरित करता रहेगा।

एक संदेश में उन्होंने कहा कि बाबासाहेब ने अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करते हुए भी अपनी अलग पहचान बनाई और अपनी असाधारण उपलब्धियों से दुनिया भर में सम्मान अर्जित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि वह शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और वंचितों के सशक्तीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण साधन मानते थे। मुर्मू ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उनका योगदान भावी पीढ़ियों को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करने को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा, इस अवसर पर, आइए हम अपने जीवन में डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लें तथा एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण के लिए काम करें, जिसमें सामाजिक सद्भाव और समानता की भावना समाहित हो। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, हमारे संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव रामजी अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।

अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को महाराष्ट्र के एक दलित परिवार में हुआ था।

केवल सिखों के लिए ही नहीं, हर भारतीय के लिए प्रेरणा हैं गुरु गोविंद सिंह : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मुगल शासक औरंगजेब को 'क्रूर' करार दिया और तब हिंदुओं के सामने आई समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए गुरु गोविंद सिंह की सराहना की।

आदित्यनाथ ने यहां खालसा सृजन दिवस एवं बैसाखी पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु गोविंद सिंह केवल सिखों के लिए ही नहीं हर भारतीय के लिए प्रेरणा हैं और एक नया प्रकाश हैं। उन्होंने कहा, ''खालसा पंथ के 325 वर्ष पूरे हो रहे हैं। गुरु गोविंद सिंह के अनुयायी जहां भी गये अपने शौर्य और पराक्रम से अपना लोहा मनवाया।''

योगी ने कहा कि सिख कहीं भी होगा वह बिना झुके, डिगे अपने पथ पर आगे बढ़ता है, इसलिए सरदार भी कहलता है।

योगी ने कहा, ''याद करिये एक तरफ क्रूर औरंगजेब के शासन में अत्याचार की पराकाष्ठा थी, जजिया कर के जरिये हिंदुओं को पूरी तरह इस्लाम में बदलने की उसकी क्रूर चाल और मंदिरों को तोड़ा जा रहा था, बेटियों की इज्जत पर हाथ डाला जा रहा था और उस समय अपने एक लाख शिष्यों के साथ मिलकर देश और धर्म की ज्वलंत समस्याओं पर प्रभावी शंखनाद करने का काम गुरु गोविंद सिंह महाराज द्वारा किया जा रहा था।'' मुख्यमंत्री के मुताबिक, गुरु गोविंद सिंह महाराज ने इस कार्यक्रम को बढ़ाया तो इसका नाम खालसा रखा जिसका मतलब परमात्मा है।

राष्ट्र सेवा की दिशा में पहला कदम मतदान है : सीईसी

रांची/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि राष्ट्र सेवा की दिशा में पहला कदम मतदान है। कुमार ने कहा कि जब भी चुनाव हो, पात्र नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। कुमार ने रांची में पत्रकारों से कहा, ''राष्ट्र सेवा की दिशा में पहला कदम मतदान है। वोट डालने के लिए व्यक्ति का मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना जरूरी है। भारत का कोई भी पात्र नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, उसे मतदान से वंचित नहीं रहना चाहिए।'' मुख्य निर्वाचन आयुक्त झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को रांची पहुंचे थे। उन्होंने कहा, ''जब भी चुनाव होता है, मतदाताओं को मतदान अवश्य करना चाहिए।'' कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग हमेशा मतदाताओं के साथ खड़ा रहा है और आगे भी खड़ा रहेगा। इससे पहले उन्होंने रांची के बाहरी इलाके दशम फाल में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के साथ एक चर्चा की। बीएलओ ने मतदान के दौरान दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में अपने अनुभव और प्रयासों को साझा किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव के दौरान घर पर सर्वेक्षण, बीएलओ ऐप, मतदान समय प्रबंधन और अन्य संबंधित मामलों में बीएलओ के अनुभवों के बारे में भी जाना।

सांप्रदायिक हिंसा प्रभावित पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से सैकड़ों लोग भागे, नदी पार कर मालदा में शरण ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में सांप्रदायिक हिंसा से प्रभावित सैकड़ों लोगों ने भागीरथी नदी पार कर मालदा में शरण ली है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

स्थानीय प्रशासन ने दंगा प्रभावित परिवारों के लिए आश्रय और भोजन की व्यवस्था की है तथा उन्हें स्कूलों में शरण दी है। साथ ही मुर्शिदाबाद से नावों से आने वालों की सहायता के लिए नदी तट पर स्वयंसेवकों को तैनात किया है।

मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के सुती, धुलियान, जंगीपुर और शमशेरगंज समेत कई इलाकों में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हुए, जो सांप्रदायिक हिंसा में बदल गये। इसके कारण प्रभावित लोगों का पलायन शुरू हो गया।

मीडिया में आई तस्वीरों में मुर्शिदाबाद के इन इलाकों में दुकानें, होटल और घर जलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अपने परिवार के चार अन्य सदस्यों के साथ मुर्शिदाबाद से पलायन करने वाली एक युवती ने संवाददाताओं को बताया, ''हम धुलियान के मंदिरपाड़ा इलाके से इसलिए भागे क्योंकि हमारे घरों में आग लगा दी गई थी।

देशभर में दो साल में 10 लाख करोड़ की राजमार्ग परियोजनाएं शुरू करेगी सरकार : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे।
- हमारा प्रयास देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाना है, ताकि यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के बराबर हो जाए।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देंगे, जहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान होंगी।

गडकरी ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि केंद्र सरकार अगले दो साल में देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाने के लिए काम कर रही है, ताकि यह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर हो।

गडकरी ने कहा, ''हम अगले दो साल में देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे।'' उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कठिन भूभाग और सीमाओं से निकटता को देखते हुए यहां सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की तत्काल जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमारा प्रयास देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाना है, ताकि यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के बराबर हो जाए।'' उन्होंने बताया कि इस दिशा में महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली सहित सभी राज्यों में काम चल रहा है।

यूक्रेन के सूमी शहर में रूस के मिसाइल हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। यूक्रेन के सूमी शहर में रविवार को रूस के मिसाइल हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई। शहर के कार्यवाहक महापौर और यूक्रेन के महाभियोजक कार्यालय ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार रविवार को लोग 'पाम संडे' मनाने एकत्र हुए थे, तभी पूर्वाह्न लगभग सवा 10 बजे बैलिस्टिक मिसाइल से यह हमला हुआ। आधिकारिक चैनलों पर प्रसारित घटना की वीडियो में जमीन पर शव पड़े हुए दिख रहे हैं और आसपास मलबा पड़ा हुआ है।

महापौर अर्टेम कोबजर ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, पाम संडे के अवसर पर हमारे लोगों को भयावह त्रासदी का सामना करना पड़ा। दुर्भाग्य से 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई है।

महाभियोजक कार्यालय ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए कहा कि हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई है।

गृह मंत्री इहोर क्लाइमेंको ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सात बच्चों समेत 83 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि दो मिसाइल हमलों में कई लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा, प्रारंभिक सूचना के अनुसार कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं।

जेलेंस्की ने हमले पर वैश्विक प्रतिक्रिया का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, बातचीत से बैलिस्टिक मिसाइलों और बमों पर कभी रोक नहीं लगी।

मृत्युदंड देना इस्लाम का हिस्सा : तालिबान नेता

काबुल/एपी। अफगानिस्तान में हत्या के एक मामले में दोषी ठहराए गये चार लोगों को गोली मारकर मौत की सजा देने के कुछ दिनों बाद तालिबान के एक नेता ने कहा कि मृत्युदंड इस्लाम का हिस्सा है। चारों दोषियों को शुक्रवार को एक खेल स्टेडियम में गोली मारी गयी और यह 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से एक दिन में सबसे ज्यादा लोगों को दी गई मौत की सजा है। अधिकार समूहों और संयुक्त राष्ट्र ने इस घटना की निंदा की है। तालिबान नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने पूर्व में अफगानिस्तान में पश्चिमी कानूनों की जरूरत को खारिज कर दिया था। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता ने एक ऑडियो क्लिप जारी किया जिसमें अखुंदजादा ने कहा, हमें अनुशासनात्मक उपाय, प्रार्थनाएं और इबादत के काम करने चाहिए।

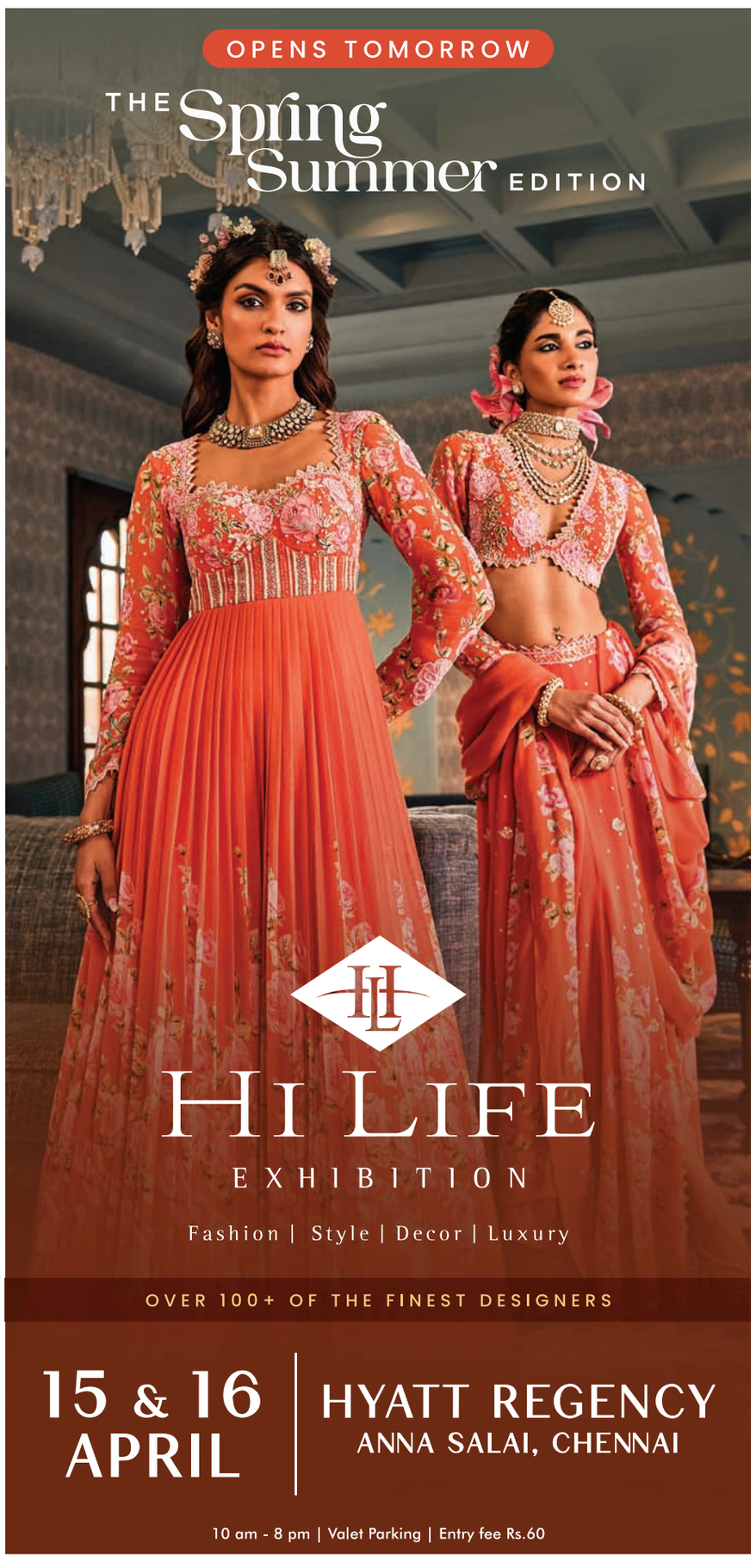

प्रधानमंत्री का दौरा राज्य के विकास में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा : सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 14 अप्रैल को राज्य का दौरा राज्य के लिए विकास के एक नये अध्याय की शुरुआत करेगा। मोदी सोमवार को हरियाणा में रहेंगे और भीम राव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कई विकास पहलों का शुभारंभ करेंगे।

मोदी हिसार हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे और उत्तर प्रदेश के अयोध्या के लिए एक वाणिज्यिक उड़ान को हरी झंडी दिखाएंगे। वह हवाई अड्डे पर एक नये टर्मिनल भवन की आधारशिला भी रखेंगे। मोदी यमुनानगर में एक अन्य कार्यक्रम में दीनबंधु छोटू राम ताप ऊर्जा संयंत्र की 800 मेगावाट की एक आधुनिक ताप ऊर्जा इकाई की आधारशिला रखेंगे। वह हिसार और यमुनानगर में जनसभाओं को संबोधित भी करेंगे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश 2047 तक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से प्रगति कर रहा है। एक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा, ''हमारा मिशन यह सुनिश्चित करना है कि विकास की रोशनी हर नागरिक तक पहुंचे और हमारा देश आत्मनिर्भरता के पथ पर आगे बढ़ता रहे।''

सैनी ने कहा कि केंद्र के सक्रिय सहयोग से हरियाणा सरकार जमीनी स्तर पर कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हिसार से अयोध्या (सप्ताह में दो बार) और जम्मू, अहमदाबाद, जयपुर और चंडीगढ़ के लिए सप्ताह में तीन उड़ानें हरियाणा की विमानन कनेक्टिविटी में एक महत्वपूर्ण छलांग साबित होंगी। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री हवाई यात्रा को सुरक्षित, किफायती और सभी के लिए सुलभ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे के 410 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले एक नये टर्मिनल भवन की आधारशिला रखेंगे।

इसमें कहा गया है कि इसमें एक अत्याधुनिक यात्री टर्मिनल, एक कार्गो टर्मिनल और एक एटीसी भवन शामिल होगा और इसे दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बयान में कहा गया है कि मोदी भारतमाला परियोजना के तहत लगभग 1,070 करोड़ रुपए की लागत वाली 14.4 किलोमीटर लंबी रेवाड़ी बाईपास परियोजना का भी उद्घाटन करेंगे। बयान में कहा गया है कि इस बाईपास से रेवाड़ी शहर में भीड़भाड़ कम होगी, दिल्ली-नारनौल यात्रा का समय एक घंटे कम हो जाएगा तथा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

बयान के अनुसार, यमुनानगर ताप ऊर्जा इकाई 233 एकड़ में फैली हुई है और इसकी लागत करीब 8,470 करोड़ रुपए है। बयान के अनुसार मार्च 2029 तक चालू होने के बाद, इससे हरियाणा की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को काफी बढ़ावा मिलेगा और पूरे राज्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

बयान में कहा गया है कि 'गोबरधन' (गैलवैनाइजिंग आर्गेनिक बायो-एग्रो रिर्सोसेज धन) की दृष्टि को आगे बढ़ाते हुए, मोदी यमुनानगर के मुकरबपुर में एक संपीड़ित बायोगैस संयंत्र की आधारशिला भी रखेंगे।

ताडोबा बाघ अभयारण्य में लौटे दुर्लभ प्रजाति के पक्षी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में ताडोबा अंधारी बाघ अभयारण्य (टीएटीआर) के प्राकृतिक घास के मैदानों में दुर्लभ पक्षियों की प्रजातियां देखी जा रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह प्राकृतिक घास के मैदान 19 साल पहले छह गांवों को मूल क्षेत्र से स्थानांतरित करने के कारण बने हैं।

'बॉम्बे नैचुरल हिस्ट्री सोसाइटी' (बीएनएचएस) ने महाराष्ट्र में लुप्तप्राय पक्षियों के संरक्षण प्रजनन परियोजना की शुरुआत की है, जिसमें 'लेसर फ्लोरिकन' जैसे पक्षी शामिल हैं। इस पक्षी को पिछले तीन-चार वर्षों में ताडोबा और उसके आसपास देखा गया है। मुंबई स्थित वन्यजीव अनुसंधान संगठन वर्तमान में संरक्षण परियोजना के लिए, विशेष रूप से गांवों के स्थानांतरण के बाद, विदर्भ क्षेत्र में स्थित बाघ अभयारण्य की क्षमता का आकलन कर रहा है।

'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में बीएनएचएस के निदेशक किशोर रिठे ने टीएटीआर को भारत के सबसे सफल और जैविक रूप से समृद्ध बाघ परिदृश्यों में से एक बताया। इस अभयारण्य में 100 से अधिक बाघ रहते है। उन्होंने बताया कि 2006 में शुरू हुई प्रक्रिया के तहत मुख्य क्षेत्र से आधा दर्जन गांवों को स्थानांतरित करने के बाद 926 हेक्टेयर में फैला क्षेत्र, जिसमें कभी बस्तियां और कृषि क्षेत्र थे, अब घास के मैदानों में बदल गया है, जहां न तो मनुष्य हैं और न ही पालतू पशु। उन्होंने कहा, ''गांवों को स्थानांतरित करने का उद्देश्य था कि बाघों के प्रजनन के लिए सुरक्षित क्षेत्र सुनिश्चित किया जा सके।

भारत में अब तक 38 प्रतिशत गेहूं की कटाई हो चुकी : कृषि मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि देश में अब तक 38 प्रतिशत गेहूं की कटाई हो चुकी है। उन्होंने कहा कि चालू विपणन सत्र 2025-26 में गेहूं कि कुल रकबा 3.2 करोड़ हेक्टेयर होने का अनुमान है और लगभग 38 प्रतिशत फसल की कटाई हो चुकी है।

चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभिन्न रबी फसलों की अच्छी पैदावार की संभावना को देखते हुए बेहतर खरीद की व्यवस्था की जाए।

मंत्री ने एक बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और बिहार जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में गेहूं की कटाई की स्थिति बेहतर है।

सरकार ने 2025-26 विपणन सत्र (अप्रैल-मार्च) के लिए 3.1 करोड़ टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा है।

गेहूं जैसी रबी फसलों के अलावा, मंत्री ने जायद फसलों की बुवाई की प्रगति का भी जायजा लिया, जो रबी और खरीफ सत्र के बीच उगाई जाती हैं।

आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक जायद फसलों के तहत कुल रकबा 60.22 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है, जो एक साल पहले 52.40 लाख हेक्टेयर था।

नीतिगत निष्क्रियता के कारण अतीत में सहकारी आंदोलन को लगभग मृतप्राय कर दिया गया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नीत पूर्ववर्ती सरकारों पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि कानूनों में वर्षों तक बदलाव नहीं किए जाने के कारण सहकारी आंदोलन शिथिल पड़ गया था और जबतक मोदी सरकार ने इसमें निर्णायक कार्रवाई नहीं की तब तक यह लगभग मृतप्राय हो गया था।

भोपाल में एक राज्य-स्तरीय सहकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा देने पर कभी विचार नहीं किया।

इस मौके पर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिये राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और मध्यप्रदेश राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन (एमपीएससीडीएफ) के बीच एक समझौता भी हुआ। शाह ने कहा, वर्षों तक सहकारी आंदोलन धीरे-धीरे आगे बढ़ा और फिर लगभग मृतप्राय हो गया था। अतीत में देशभर में चल रहे सहकारी आंदोलन एकसमान नहीं थे। चुनौतियों पर शाह ने कहा कि सहकारी आंदोलन जर्जर हो गया था क्योंकि कानूनों को तदनुसार संशोधित नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्षों के बाद ही आंदोलन ने जोर पकड़ा जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सहकारिता मंत्रालय का गठन किया। शाह ने सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा नहीं देने के लिए पिछली केंद्र सरकारों को दोषी ठहराया, जिसके परिणामस्वरूप 'एकतरफा विकास' हुआ। उन्होंने कहा, कुछ राज्यों में आंदोलन ने गति पकड़ी जबकि कुछ स्थानों पर इसे नष्ट कर दिया गया।

शाह ने सहकारी आंदोलन में 'सकारात्मक बदलाव' लाने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को देते हुए कहा कि मुख्य कारण यह था कि कानून, जिन्हें समय के साथ बदला जाना चाहिए था, उन्हें बदला नहीं गया।

शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि, पशुपालन और सहकारी क्षेत्रों में बहुत संभावनाएं हैं। उन्होंने इन संभावनाओं का पूरा दोहन करने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश में अब सुशासन है। कांग्रेस शासन के दौरान सहकारी समितियां लगभग मर चुकी थीं। यह उनके पुनरुद्धार का एक स्वर्णिम अवसर है और मध्यप्रदेश को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि संवैधानिक व्यवस्था के तहत सहकारिता, राज्य का विषय है, इसलिए देश भर में तेजी से बदलती परिस्थितियों के अनुकूल सहकारी कानूनों को तैयार करने के लिए पहल नहीं की गई।

अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न अनिश्चितता अल्पकालिक होगी: टीसीएस सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) के कृतिवासन का मानना है कि शुल्क कदमों से इस क्षेत्र पर पड़ने वाली अनिश्चितता 'अल्पकालिक' होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह 'कुछ महीनों' के भीतर हल हो जाएगी। देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी के प्रमुख ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में बताया कि कंपनी की 39 अरब डॉलर से अधिक की ऑर्डर बुक यह सुनिश्चित करेगी कि टीसीएस राजस्व बुकिंग जारी रखेगी।

जारी सौदों को 'मजबूत' बताते हुए कृतिवासन ने कहा कि मौजूदा स्थिति में जहां कुछ ग्राहकों ने विवेकाधीन खर्च करना बंद कर दिया है, उससे मूल्य निर्धारण पर कोई दबाव नहीं पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वास्तव में, सालाना और क्रमिक दृष्टिकोण से मूल्य निर्धारण में मामूली वृद्धि हुई है। कृतिवासन ने 30 अरब डॉलर से अधिक के राजस्व में ग्राहकों के विवेकाधीन व्यय की हिस्सेदारी का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के खर्च राजस्व का एक 'महत्वपूर्ण' हिस्सा हैं, लेकिन इस तरह के राजस्व पर असर पड़ने की मौजूदा प्रवृत्ति से वे बेफिक्र नज़र आए। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह अनिश्चितता अल्पकालिक होगी। कुछ महीनों या कुछ और समय में, इसका समाधान हो जाएगा...। उन्होंने कहा कि मजबूत ऑर्डर बुक से राजस्व के मोर्चे पर मदद मिलेगी। कृतिवासन ने कहा कि यदि कुल अनुबंध मूल्य या नए सौदों के राजस्व बुकिंग में रूपांतरण में गिरावट आई है, तो इसमें कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसमें बदलाव आने में महीनों का समय लगेगा। एक बार जब अमेरिका में स्थिति हल हो जाती है, तो इससे कंपनी को उत्तरी अमेरिका के कारोबार में वृद्धि को फिर से शुरू करने में मदद मिलेगी, जिसका कुल राजस्व में हिस्सा अब घटकर 48 प्रतिशत रह गया है।

दिल्ली में मंजीत महल गिरोह का सदस्य गिरफ्तार, हथियारों का जखीरा बरामद

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में मंजीत महल गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार करके उसके पास से हथियारों का जखीरा जब्त किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने दावा किया कि आरोपी को गिरफ्तार करने से द्वारका और नजफगढ़ इलाकों में संभावित गैंगवार टल गया है। उसने बताया कि दरियापुर खुर्द गांव निवासी दिनेश उर्फ मोगली को शनिवार को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, दिनेश (32) का आपराधिक इतिहास काफी पुराना है। वह 2015 में प्रतिद्वंद्वी नवीन खाती गिरोह के चार सदस्यों की हत्या में संलिप्त था। पुलिस ने बताया कि दिनेश ने अपने एक साथी रविंदर के साथ मिलकर चार लोगों की हत्या कर दी थी और बाद में शवों को हरियाणा में बहादुरगढ़ के निकट एक जंगल में जला दिया था। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

शुल्क युद्ध का दीर्घकालिक योजनाओं पर असर नहीं: इंडिगो सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को भरोसा है कि शुल्क बढ़ोतरी से होने वाली वैश्विक घटनाओं का उसकी दीर्घकालिक योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पीटर एल्बर्स ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में बताया कि बड़ा घरेलू बाजार एयरलाइनों की मदद करेगा। उन्होंने कहा, हाल ही में हुई कुछ गतिविधियों से अगले साल के लिए हमारी क्षमता (विस्तार) योजनाओं में कोई बदलाव नहीं हो रहा है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था शुल्क युद्ध जैसी बड़ी वैश्विक घटना से अछूती नहीं रह सकती। एल्बर्स ने कहा कि कंपनी दशक के अंत तक अपने आकार को दोगुना करने की इच्छुक है और इस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि तिमाही में गिरावट या उच्च वृद्धि भी आती है तो कंपनी प्रभावित नहीं होगी। एल्बर्स ने सुझाव दिया कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बड़े आकार और पैमाने की एयरलाइन भारत के लिए अच्छी हैं। अन्य देशों के साथ बातचीत करते समय भारतीय अधिकारियों द्वारा सीटों के ढांचे की समीक्षा के बारे में पूछे गए सवाल पर एल्बर्स ने कहा कि सीटों का बंटवारा भारतीय विमानन कंपनियों के लिए 'खोया अवसर' है, क्योंकि विदेशी विमानन कंपनियों को इससे लाभ मिल रहा है।

झुग्गीवासियों को तोड़फोड़ करने का नोटिस देना नैसर्गिक न्याय के खिलाफ: उत्तराखंड उच्च न्यायालय

नैनीताल/भाषा। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने देहरादून के विकास नगर क्षेत्र में झुग्गीवासियों के घरों को ढहाने पर रोक लगाते हुए कहा है कि तोड़फोड़ करने के नोटिस नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की खंडपीठ ने कहा कि निवासियों को सुनवाई का अवसर दिये बिना तोड़फोड़ करने के नोटिस जारी कर दिये गए। पीठ ने आदेश दिया कि अगले आदेश तक तोड़फोड़ पर रोक रहेगी। याचिकाकर्ता देहरादून जिला स्थित विकास नगर के विभिन्न गांवों के निवासी हैं और देश के वैध नागरिक हैं। उन्हें पांच अप्रैल को नोटिस प्राप्त हुए, जिनमें कहा गया है कि उनकी संपत्तियों को ध्वस्त किया जाना है क्योंकि वे जल निकायों, मौसमी जल धाराओं और नालों पर बने हैं।

आंध्र प्रदेश में एक पटाखा कारखाने में आग लगने से आठ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्यमंत्री ने जांच का आदेश दिया

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में रविवार को एक पटाखा कारखाने में आग लगने से दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख व्यक्त किया। नायडू ने घटना की जांच के आदेश भी दिए और अधिकारियों से रिपोर्ट सौंपने को कहा।

राज्य की गृह मंत्री वी. अनिता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''आग लगने की दुर्घटना में दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए।'' उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मामले में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। दुर्घटना अपराह्न लगभग 12:45 बजे हुई और अधिकारी फिलहाल शवों को निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पुलिस की मदद कर रहे हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने अनिता और जिले के अधिकारियों को घायलों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। वाईएसआर कांग्रेस प्रमुख वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया और सरकार से पीड़ितों की मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं से पीड़ितों को हर संभव सहायता देने को भी कहा।

गाजी बाबा के मारे जाने के बाद नेतृत्व हीन हो गया था जैश-ए-मोहम्मद: बीएसएफ

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2003 में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अभियान में आतंकवादी गाजी बाबा के मारे जाने के बाद आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद लगभग नेतृत्व हीन हो गया था। बीएसएफ के इस अभियान पर बनी एक एक्शन फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। इस अभियान के लिए अर्धसैनिक बल को दो सैन्य अलंकरणों सहित एक दर्जन वीरता पदक भी मिले थे।

यह अभियान 1965 में गठित बीएसएफ के आधिकारिक इतिहास की किताब में अंकित हो गया है। बीएसएफ का मुख्य कार्य देश की आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कर्तव्यों का निर्वहन करने के अलावा पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी भारतीय सीमा की रक्षा करना है। 'ग्राउंड जीरो' नामक एक हिंदी फिल्म इस अभियान और उस समय के सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों में से एक को मार गिराने वाले बीएसएफ के बहादुर अधिकारियों और जवानों के कारनामों पर आधारित है। यह फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अभिनेता इमरान हाशमी ने फिल्म में बीएसएफ के दूसरे नंबर के अधिकारी नरेन्द्र नाथ धर दुबे की भूमिका निभाई है, जिन्होंने आतंकवादी गाजी बाबा को मार गिराने के अभियान का नेतृत्व किया था। बीएसएफ ने राणा ताहिर नदीम उर्फ गाजी बाबा की तलाश उस दिन से ही शुरू कर दी थी, जब दिसंबर 2001 में जैश-ए-मोहम्मद ने भारतीय संसद पर हमला किया था। बीएसएफ के इतिहास के बारे में लिखी 319 पृष्ठों की इस पुस्तक के मुताबिक 'लगातार' खुफिया जानकारी और निगरानी प्रयासों के कारण, बल को 29 अगस्त 2003 को इस आतंकवादी के बारे में जानकारी मिल गई।

आरटीआई कानून को कमजोर करने वाले संशोधन को रद्द करें : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि नागरिकों के सूचना के अधिकार को विधि निर्माताओं के सूचना के अधिकार के बराबर मानने वाले अधिनियम के प्रावधान को हटाना पूरी तरह से अनुचित है। उन्होंने केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विणी वैष्णव से 2005 के मूल अधिनियम में किए गए संशोधन की समीक्षा करने और उसे निरस्त करने की अपील की।

रमेश का यह बयान वैष्णव द्वारा उनके पत्र का जवाब देने के कुछ दिनों बाद आया है। इस पत्र में कांग्रेस नेता ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम 2023 की धारा 44(3) पर चिंता जताई थी, जो सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 के तहत व्यक्तिगत जानकारी साझा करने पर प्रतिबंध लगाती है। रमेश के पत्र के जवाब में वैष्णव ने कहा कि ऐसी व्यक्तिगत जानकारियां, जो विभिन्न कानूनों के तहत सार्वजनिक प्रकटीकरण के अधीन हैं, उनका नये डेटा संरक्षण नियम के लागू होने के बाद भी आरटीआई अधिनियम के तहत साझा किया जाना जारी रहेगा। कांग्रेस नेता ने वैष्णव को रविवार को लिखे नये पत्र में कहा, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 की धारा 44 (3) के जरिये आरटीआई अधिनियम, 2005 में किए गए दूरगामी प्रभाव वाले संशोधन के सिलसिले में 23 मार्च, 2025 के मेरे पत्र का 10 अप्रैल, 2025 को जवाब देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। उन्होंने कहा, अब मैं इस विनाशकारी संशोधन के बचाव में आपकी ओर से दिए गए तर्क के जवाब में चार बिंदु रखना चाहता हूं। पहला-आपके पत्र में आरटीआई अधिनियम, 2005 के अंतर्गत खुलासों को संरक्षित करने के लिए डीपीडीपी अधिनियम, 2023 की जिस धारा 3 का जिक्र किया गया है, वह पूरी तरह से अप्रासंगिक है, क्योंकि आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 8(1) में ही बड़े पैमाने पर संशोधन किया गया है।

रमेश ने कहा, डीपीडीपी अधिनियम की धारा 3 अब केवल संशोधित अधिनियम के अनुसार खुलासे की रक्षा करेगी, जो सभी व्यक्तिगत सूचनाओं को सुलभ होने से छूट देती है।

उन्होंने कहा कि आरटीआई अधिनियम, 2005 के क्रियान्वयन ने दर्शाया है कि यह कानून ऐसी व्यक्तिगत जानकारी का प्रकटीकरण रोकने में सक्षम है, जिसका किसी सार्वजनिक गतिविधि या सार्वजनिक हित से कोई लेना-देना नहीं है, जैसा कि शीर्ष अदालत और विभिन्न उच्च न्यायालयों के कई फैसलों से पता चलता है। कांग्रेस नेता ने तर्क दिया कि आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1) के उस प्रावधान को हटाना पूरी तरह से अनुचित है, जो नागरिकों के सूचना के अधिकार को विधि निर्माताओं के सूचना के अधिकार के बराबर मानता है। उन्होंने कहा, तीसरा-यह प्रावधान वास्तव में केवल व्यक्तिगत सूचना के प्रकटीकरण को मिली छूट पर ही नहीं, बल्कि आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 8(1) में दी गई सभी छूट पर लागू होता है।

बैसाखी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने पंजाब और हरियाणा के गुरुद्वारों में मत्था टेका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में श्रद्धालुओं ने रविवार को बैसाखी के अवसर पर गुरुद्वारों में मत्था टेका। लाखों श्रद्धालुओं ने अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर, आनंदपुर साहिब स्थित श्री केसगढ़ साहिब, बठिंडा स्थित तख्त दमदमा साहिब और पटियाला स्थित दुख निवारण साहिब सहित अन्य गुरुद्वारों में मत्था टेका।

बैसाखी का त्योहार 10वें सिख गुरु गोबिंद सिंह द्वारा 'खालसा पंथ' (सिख संप्रदाय) की स्थापना के दिवस का भी प्रतीक है। बैसाखी फसल कटाई के मौसम की शुरुआत का भी प्रतीक है। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने बैसाखी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल ने कहा कि सिख धर्म के गौरवशाली इतिहास में इस अवसर का विशेष महत्व है, क्योंकि इस दिन गुरु गोबिंद सिंह ने मुगलों के अत्याचार के खिलाफ लड़ने और मानवीय और धर्मनिरपेक्ष लोकाचार की रक्षा के लिए श्री आनंदपुर साहिब में 'खालसा संप्रदाय' की स्थापना की थी और इसके लिए अपने पूरे परिवार का बलिदान दिया था। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 'खालसा साजना दिवस' और 'बैसाखी' के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ पटियाला स्थित दुख निवारण गुरुद्वारे में मत्था टेका।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी बैसाखी के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और पंजाब के आनंदपुर साहिब स्थित गुरुद्वारे में मत्था टेका।

राज्यपाल रवि के कॉलेज छात्रों से 'जय श्रीराम' का नारा लगाने के लिए कहने पर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा एक कॉलेज के छात्रों से कथित तौर पर 'जय श्रीराम' का नारा लगाने के लिए कहने को लेकर विवाद हो गया है। शिक्षाविदों के संगठन 'एसपीसीएसएस-टीएन' ने रवि पर अपनी शपथ और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से उन्हें पद से तत्काल हटाने का अनुरोध किया है। स्टेट प्लेटफॉर्म फॉर कॉमन स्कूल सिस्टम-तमिलनाडु (एसपीसीएसएस-टीएन) ने कहा कि रवि संविधान का पालन करने और उसके आदर्शों एवं संस्थाओं का सम्मान करने में विफल रहे हैं।

एसपीसीएसएस-टीएन के महासचिव पीबी प्रिंस गजेंद्र बाबू ने एक बयान में कहा, रवि को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 159 (राज्यपाल द्वारा शपथ) का जानबूझकर उल्लंघन करने के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल के पद से तुरंत हटा दिया जाना चाहिए। रवि को मदुरै के एक सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज में एक साहित्यिक प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। 12 अप्रैल को अपने संबोधन में रवि ने छात्रों से किसी विशेष धर्म के भगवान (जय श्रीराम) का नाम तीन बार लेने को कहा था। बयान में कहा गया है कि संविधान के अनुसार, भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, शिक्षा एक धर्मनिरपेक्ष गतिविधि है और प्रत्येक नागरिक का यह मौलिक कर्तव्य है कि वह संविधान का पालन करे तथा उसके आदर्शों एवं संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद और जिज्ञासा एवं सुधार की भावना विकसित करे। इसमें आरोप लगाया गया है कि हालांकि, रवि एक खास धर्म के भगवान का नाम जपकर और छात्रों से तीन बार इसे दोहराने के लिए कहकर संविधान की रक्षा और संरक्षण करने में विफल रहे है। बयान में एसपीसीएसएस-टीएन ने राष्ट्रपति से यह सुनिश्चित करने की अपील की है कि रवि को तमिलनाडु के राज्यपाल के पद से तत्काल हटा दिया जाए। वहीं, तिरुवल्लूर से कांग्रेस सांसद शशिकांत सेंथिल ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उच्चतम न्यायालय की ओर से फटकार लगाए जाने के बाद अब वह प्रशासन को परेशान करने के लिए छात्रों से जय श्रीराम' का नारा लगवाने जैसे हथकंडे अपना रहे हैं। स्पष्ट रूप से वह निराशा में यह संदेश दे रहे हैं कि भले ही अदालतें मेरे खिलाफ फैसला सुनाएं, मैं अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए दूसरे तरीके खोज लूंगा। यह अहंकार और अवज्ञा का एक खतरनाक मिश्रण है, जो लोकतांत्रिक संस्थाओं और संविधान के सिद्धांतों को कमजोर करता है! शीर्ष अदालत ने आठ अप्रैल को रवि को तमिलनाडु विधानसभा में पारित 10 विधेयकों को लटकाए रखने के लिए फटकार लगाई थी।

मंत्री पोनमुडी ने अपनी 'अनुचित टिप्पणी' के लिए माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महिलाओं और शैव एवं वैष्णव प्रतीकों' पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर विवाद खड़ा करने वाले तमिलनाडु के वन मंत्री के पोनमुडी ने शनिवार को कहा कि वह अपनी 'अनुचित टिप्पणी' के लिए माफी मांगते हैं। पोनमुडी को उनकी आपत्तिजनक टिप्पणियों के कारण द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में पार्टी के उप महासचिव पद से हटा दिया गया था।

पोनमुडी ने कहा कि वह टी पेरियार द्रविड़ कषगम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते समय इस्तेमाल किए गए 'अनुचित शब्दों' के लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं। उन्होंने बयान में कहा, ''मैंने अनुचित संदर्भ में जो शब्द इस्तेमाल किए, उनके लिए मुझे तुरंत बड़ा पछतावा हुआ। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में रहा है, मुझे निर्णय में इस चूक के लिए गहरा खेद है।'' पोनमुडी ने कहा, ''मुझे खेद है कि मेरे भाषण से कई लोगों को ठेस पहुंची और उनके लिए असहज स्थिति पैदा हुई। मैं एक बार फिर उन सभी से दिल से माफी मांगता हूं, जिन्हें मेरे शब्दों से ठेस पहुंची है।''

पोनमुडी के भाषण का वीडियो सामने आने के बाद द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने 11 अप्रैल को पोनमुडी को पार्टी के उप महासचिव पद से हटा दिया और उनकी जगह पार्टी के राज्यसभा सदस्य तिरुचि शिवा को नियुक्त कर दिया। पोनमुडी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विश्व हिंदू परिषद उत्तर तमिलनाडु

ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से तत्काल हटाने की मांग की।

पोनमुडी की ''अपमानजनक'' टिप्पणी की निंदा करते हुए विहिप उत्तर तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष अंडाल पी चोकलिंगम ने कहा कि छह अप्रैल को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एक कार्यक्रम में मंत्री ने हिंदू प्रतीकों को नीचा दिखाने के लिए घटिया और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया, जिसे कोई भी नागरिक संगठन बर्दाश्त नहीं कर सकता। चोकलिंगम ने कहा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और अगर वह धर्मनिरपेक्षता के अपने सिद्धांतों पर कायम हैं, तो उन्हें पोनमुडी को तुरंत मंत्री पद से हटा देना चाहिए। चोकलिंगम ने यहां एक बयान में कहा कि पोनमुडी को मंत्री पद पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और उन्हें द्रमुक के उप महासचिव पद से हटाना ''केवल दिखावा'' है। उन्होंने घोषणा की कि विहिप इस मांग के समर्थन में 15 अप्रैल को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव के पलानीस्वामी ने कहा कि मंत्री पोनमुडी ने बेहद निचले स्तर की टिप्पणी की। अन्नाद्रमुक नेता ने एक बयान में कहा कि इस तरह के ''अशोभनीय कृत्य'' द्रमुक के इतिहास का हिस्सा बन गए हैं, लेकिन तमिलनाडु के लोग इस तरह के ''घृणित और विकृत विचारों'' को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

पलानीस्वामी ने कहा कि पोनमुडी के अपमानजनक भाषण से लोग बहुत आहत हुए हैं। उन्होंने घोषणा की कि उनकी पार्टी की महिला शाखा 16 अप्रैल को यहां विरोध प्रदर्शन करेगी और महिलाओं के खिलाफ कथित अश्लील और अपमानजनक टिप्पणी के लिए तमिलनाडु के वन मंत्री की निंदा करेगी। दक्षिणपंथी संगठन 'हिंदू मुन्नानी' के प्रदेश अध्यक्ष कादेश्वर सुब्रमण्यम ने भी पोनमुडी को मंत्री पद से हटाने की मांग को लेकर 15 अप्रैल को राज्यव्यापी प्रदर्शन की घोषणा की है।

भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन द्रमुक को सत्ता से उखाड़ फेंकेगा : नयनार नागेंद्रन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नयनार नागेंद्रन ने रविवार को कहा कि अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक)-भाजपा गठबंधन ही 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करेगा और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को सत्ता से उखाड़ फेंकेगा। नागेंद्रन ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि ''द्रमुक के कुछ एजेंट'' ने अन्नाद्रमुक और भाजपा के बीच गठबंधन को बेकार बताया है।

नागेंद्रन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उपयोगी तो यह द्रमुक के लिए नहीं होगा क्योंकि तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी और केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय पार्टी का यह गठबंधन द्रमुक को घर वापस भेज देगा। उन्होंने कहा कि इसलिए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन परेशान हैं।

भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख के रूप में 12 अप्रैल को कार्यभार संभालने के बाद नागेंद्रन ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''मुझे भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के रूप में सेवा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे मैं बहुत अभिभूत हूं... यह हमारा वादा है कि हम तब तक आराम से नहीं बैठेंगे जब तक कि 2026 के विधानसभा चुनावों में भ्रष्ट और अराजक द्रमुक को हरा दिया नहीं जाता।''

उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु के लोगों की दुआ से हम यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करेंगे कि तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सत्ता में आए।''

तिरुवन्नामलाई के पास एसयूवी और बस की टक्कर में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवन्नमलाई के पास शनिवार देर रात स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) सामने से आ रही एक सरकारी बस से टकरा गई, जिससे वाहन में सवार सभी चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कार में मौजूद सभी चार लोग पुडुचेरी की ओर जा रहे थे जबकि बस चेन्नई से रवाना होने के बाद तिरुवन्नामलाई जा रही थी।

किल्पेन्नाथुर पुलिस थाने के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा' को बताया, यह घटना संभवतः शनिवार और रविवार की दरमियानी रात 2.45 से 3.10 बजे के बीच हुई। प्रारंभिक जांच से पता चला कि वाहन चालक को

झपकी आ गई थी, जिससे उसका वाहन विपरीत दिशा से आ रही सरकारी बस से टकरा गया। उन्होंने बताया कि बस से टकराने के बाद एसयूवी काफी दूर तक घिसटने के बाद सड़क किनारे रुक गई।

अधिकारी ने बताया कि मृतकों में सभी पुरुष हैं और उनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए तिरुवन्नामलाई के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया, हम घटना की जांच कर रहे हैं। फिलहाल हम पीड़ितों के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं।

इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बावजूद तमिलनाडु में पिछले एक साल में सड़क हादसों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। साल 2024 में राज्य में 17,282 घातक दुर्घटनाओं में 18,074 लोगों की मृत्यु हुई थी, जो 2023 की तुलना में 273 कम है। 2023 में 17,526 दुर्घटनाओं में 18,347 लोगों की मृत्यु हुई थी। राज्य पुलिस प्रमुख शंकर जिवाल ने हादसों में कमी का श्रेय सड़क सुरक्षा उपायों को दिया है, जिनमें सख्त ट्रैफिक नियम लागू करना, नशे में वाहन चलाने के खिलाफ कार्रवाई और दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट्स) में सुधार शामिल हैं। 2023 के आंकड़ों से पता चला कि 17,526 दुर्घटनाओं में से 16,800 हादसे चालक की गलती के कारण हुए थे। इस पर ध्यान देने के लिए पुलिस ने सर्वेक्षण किए और वाहन घनत्व, ट्रैफिक पर्यावरण और दुर्घटना इतिहास के आधार पर 6,165 ब्लैक स्पॉट्स चिह्नित किए। राज्य राजमार्ग विभाग के साथ मिलकर 3,165 स्थानों पर सुरक्षा उपाय लागू किए गए। हाईवे पेट्रोल मोबाइल एप्लिकेशन ने जागरूकता फैलाने और बेहतर नियम लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, हाईवे पेट्रोल टीमों ने 12,629 गंभीर रूप से घायल दुर्घटना पीड़ितों को बचाया, जिससे उन्हें चिकित्सा सहायता मिल सकी। नियम लागू करने के साथ-साथ पुलिस ने जिम्मेदार सड़क व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए हजारों सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। नतीजतन, तमिलनाडु के कई शहरों और जिलों में सड़क दुर्घटनाओं में लगातार कमी देखी गई है।

'सुरंग पर्यटन' के लिए कासरगोड खिंचे चले आ रहे पर्यटक

दशकों पहले पहाड़ों में खोदी गईं थीं सुरंगें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कासरगोड/भाषा। केरल के कासरगोड में दशकों पहले जलापूर्ति के लिए खोदी गईं सुरंगें अब पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई हैं और पहाड़ों में काटी गई इन सुरंगों के अंदर जाकर पर्यटक रोमांच अनुभव कर रहे हैं। इस जिले के गांवों में पहाड़ों में छोटी-बड़ी सैकड़ों सुरंगें हैं, जहां से आने वाला पानी ही स्थानीय ग्रामीणों के लिए जलापूर्ति का स्त्रोत है और इसका उपयोग वह पीने के अलावा सिंचाई व अन्य कार्यों में करते हैं। केरल पर्यटन विभाग के 'रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म' की कासरगोड शाखा से जुड़ीं धन्या टी. ने बताया कि यह जिला ऐतिहासिक बेकल किले और अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है और अब पिछले कुछ वर्षों में सुरंग पर्यटन' भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान विशेष तौर पर लोग कासरगोड की सुरंगों को देखने आते हैं क्योंकि इस दौरान सुरंगों से अच्छी मात्रा में पानी पहाड़ों से निकलकर आ रहा होता है। धन्या ने बताया कि पहाड़ों से आना वाला पानी इतना शुद्ध होता है कि पर्यटक इसे पी भी लेते हैं और बोतलों में भी भरकर ले जाते हैं। उन्होंने बताया कि पानी का प्रयोगशाला में परीक्षण करने पर इसे ''बिल्कुल शुद्ध'' पाया गया है। आमतौर पर ये सुरंगें 50-100 मीटर लंबी होती हैं, लेकिन 59 वर्षीय पी. जयकृष्णन नायर के स्वामित्व वाली सुरंग करीब एक किलोमीटर लंबी है, जो इसे बेहद खास बनाता है। स्थानीय किसान जयकृष्णन ने बताया कि उनके दादा केलू नायर ने वर्ष 1935 के आसपास अपने पांच रिश्तेदारों के साथ मिलकर पहाड़ों में खुदाई कर पानी प्राप्त करने और इसका संग्रहण करने के लिए सुरंग खोदनी शुरू की थी।

उन्होंने बताया कि तब सुरंग इतनी लंबी नहीं थी लेकिन बाद में उनके पिता मुल्लाचेरी नारायणन नायर ने इसकी और खुदाई कराई और अब इसकी लंबाई करीब एक किलोमीटर है। वर्ष 2016 में पर्यटकों के लिए 'सुरंग पर्यटन' की शुरुआत करने वाले जयकृष्णन ने बताया कि इसके पीछे उनका मकसद यह है कि लोग जलापूर्ति की इस संरचना को देखकर रोमांच महसूस करने के साथ ही जल और इस प्रणाली का महत्व भी समझें। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले पर्यटक सुरंग के इतिहास से जुड़े सवाल करते हैं, जिस पर उन्हें स्थानीय लोग अपनी जरूरत के हिसाब से पानी प्राप्त करने एवं इसे एकत्र करने के तौर-तरीकों के बारे में जानकारी देते हैं।

जयकृष्णन ने बताया कि पर्यटकों को सुरंग के अंदर ले जाने से पहले सुरक्षा संबंधी निर्देश दिए जाते हैं और उनकी आसानी के लिए एलईडी लाइट की व्यवस्था भी की गई है। केरल पर्यटन विभाग से जुड़े स्टोरी टेलर' (किस्सागो) रजीश राघवन ने बताया कि बेकल रिसॉर्ट विकास निगम (बीआरडीसी) पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने बताया कि इसके प्रयासों से कासरगोड और कन्नूर जिलों में 50 से अधिक 'होम स्टे' विकसित हुए हैं। रजीश ने बताया कि 'सुरंग पर्यटन' की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए बीआरडीसी ने कासरगोड में 2018 में राष्ट्रीय स्तर का एक कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें पर्यटन उद्योग से जुड़े 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

जाति जनगणना : सरकार जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेगी : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट (जाति जनगणना) के सिलसिले में जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेगी। इस रिपोर्ट को हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश किया गया था। शिवकुमार ने कहा कि मंत्रिमंडल सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट का अध्ययन करेगा और तथ्यों के आधार पर सभी के साथ न्याय किया जाएगा। उन्होंने रिपोर्ट के खिलाफ दिए जा रहे बयानों को राजनीतिक करार दिया।

कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट शुक्रवार को मंत्रिमंडल के समक्ष रखी गई और 17 अप्रैल को होने वाली विशेष कैबिनेट बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। तत्कालीन अध्यक्ष के जयप्रकाश हेगड़े के नेतृत्व वाले आयोग ने पिछले साल 29 फरवरी को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को रिपोर्ट सौंपी थी, जबकि समाज के कुछ वर्गों ने इस पर आपत्ति जताई थी और सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर भी इसके खिलाफ आवाज उठ रही थी। शिवकुमार ने कहा, मुख्यमंत्री ने इसके बारे में बात की है। मैंने अभी तक रिपोर्ट नहीं देखी है, क्योंकि मैं कल बेलगावी और मंगलूरु के दौरे पर था। इस पर मंत्रिमंडल बैठक में चर्चा होनी है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि इस पर विधानसभा में भी चर्चा की जाएगी। कोई भी जल्दबाजी में फैसला नहीं लेगा। बेंगलूरु के पास डोड्डाबल्लापुर में संवाददाताओं से मुखातिब उपमुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग इसके (जाति जनगणना) बारे में राजनीतिक बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन हम तथ्यों को समझेंगे और सभी के साथ न्याय करेंगे।

गुरुवायुर श्री कृष्ण मंदिर परिसर में वीडियो बनाने को लेकर एक महिला कलाकार पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलाकार पर उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करने का है आरोप

त्रिशूर/भाषा। भगवान कृष्ण की पेंटिंग के लिए मशहूर एक कलाकार पर प्रसिद्ध गुरुवायुर श्री कृष्ण मंदिर परिसर का कथित रूप से वीडियो बनाने और उसे प्रसारित करने के बाद मामला दर्ज किया गया है। कलाकार पर उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करने का आरोप है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पड़ोसी कोझिकोड जिले के कोइलांडी की जसना सलीम ने भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप की सैकड़ों पेंटिंग बनाई हैं, जिन्हें केरल और राज्य के बाहर लोगों ने खूब सराहा है।

गुरुवायुर मंदिर पुलिस के अनुसार, महिला ने हाल में मंदिर के पूर्वी प्रवेश द्वार पर प्रसाद पेटी के ऊपर रखी भगवान कृष्ण की मूर्ति को माला पहनाने के बाद एक वीडियो बनाया था। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया जाने लगा, मंदिर के अधिकारियों ने पुलिस से शिकायत की और 10 मार्च को उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने कहा कि महिला कलाकार ने उच्च न्यायालय के उस हालिया फैसले का उल्लंघन किया है, जिसमें मंदिर परिसर में इस तरह के वीडियो बनाने और उन्हें सोशल मीडिया मंच पर साझा करने को अस्वीकार्य माना गया था।

पुलिस ने बताया कि जसना पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से उकसाना) भी शामिल है। जसना पहले भी विवादों में रही हैं, जब उन्होंने गुरुवायुर मंदिर परिसर के पास केक काटा और उसका वीडियो बनाने की कोशिश की। भगवान कृष्ण की परम भक्त जसना ने पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की त्रिशूर यात्रा के दौरान उन्हें एक पेंटिंग भेंट की थी।

कासरगोड में सदियों पुरानी परंपरा तोड़ श्रद्धालुओं ने मंदिर के भीतरी प्रांगण में प्रवेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कासरगोड/भाषा। केरल के कासरगोड जिले में रविवार को श्रद्धालुओं के एक समूह ने सदियों पुरानी परंपराओं को तोड़ते हुए रायरामंगलम में भगवती मंदिर के भीतरी प्रांगण में प्रवेश किया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। श्रद्धालु मंदिर में प्रतिबंधों का विरोध करने वाले एक समूह के बैनर तले विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। समूह के नेताओं ने आरोप लगाया कि इन प्रतिबंधों के कारण कुछ वर्ग के लोगों को मंदिर प्रांगण में जाने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि समूह के विरोध से देवस्वोम अधिकारियों और संबंधित मंत्री को अवगत करा दिया गया था।

उन्होंने कहा कि पिछले महीने मंदिर उत्सव के दौरान इस संबंध में मंदिर के तंत्री से चर्चा हुई थी, जिन्होंने कहा था कि वह मंदिर की परंपराओं का उल्लंघन नहीं होने देंगे। 'संस्कार साहिथी' के नेता राघवन कुलंगरा ने कहा कि यह मुद्दा जाति से जुड़ा नहीं है, बल्कि मंदिर में अनावश्यक प्रतिबंधों से जुड़ा है। कुलंगरा ने कहा, मंदिर में प्रवेश कई वर्गों के लोगों के लिए एक निश्चित समयसीमा तक सीमित है। तंत्री के साथ चर्चा के दौरान, उन्होंने कहा कि ''श्रद्धालु उनकी अनुमति के बिना प्रांगण में प्रवेश कर सकते हैं, लेकिन वे ऐसा कोई रुख नहीं अपना सकते जो मंदिर की परंपराओं का उल्लंघन करता हो।'' समूह के नेताओं ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि वे आने वाले दिनों में भी मंदिर के भीतरी प्रांगण में प्रवेश करना जारी रखेंगे।

अदालत ने अभिनेता शाइन टॉम चाको से जुड़े मादक पदार्थ मामले की जांच में खामियां पाईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। कोच्चि की एक अदालत ने अभिनेता शाइन टॉम चाको और छह अन्य लोगों से जुड़े मादक पदार्थ के मामले में पुलिस की जांच में गंभीर खामियां पाई हैं। यह मामला 2015 का है। एर्णाकुलम के प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुलेखा एम ने इस वर्ष फरवरी में अभिनेता चाको और चार अन्य महिलाओं-रेशमा रंगास्वामी, सहायक निर्देशक ब्लेसी सिल्वेस्टर, टिंसी बाबू और स्नेहा बाबू को मामले में बरी कर दिया था।

अदालत ने इस मामले में नाइजीरियाई नागरिक ओकोवे चिगोजी कोलिन्स और तमिलनाडु के मूल निवासी पृथ्वी राज को भी बरी कर दिया। चाको इस मामले में तीसरे आरोपी थे। अदालत के आदेश के मुताबिक, गवाहों के बयान में कई चूक और विरोधाभास हैं। गवाहों के बयानों के अनुसार, जब्त की गई प्रतिबंधित सामग्री को मामले के जांच अधिकारी, तत्कालीन कदवंतरा थाने के निरीक्षक को सौंप दिया गया था। आदेश के मुताबिक, हालांकि अधिकारी जब्ती के दौरान मौके पर मौजूद नहीं था।

कदवंतरा थाने के उप निरीक्षक ने अपनी जांच के समय स्पष्ट किया कि वे टाइपिंग में हुई गलतियां थीं। आदेश में बताया गया कि अदालत के समक्ष कोई सुधार रिपोर्ट दायर नहीं की गई है। आदेश के मुताबिक, इसके अलावा रासायनिक विश्लेषण प्रमाण पत्र से पता चला कि पहले से पांचवें आरोपियों से एकत्र किए गए रक्त के नमूनों में कोकीन नहीं पाया गया। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि इन आरोपियों ने कोकीन लिया था।

आदेश में बताया गया, दस्तावेजों को देखने से यह पता चलता है कि नमूने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में नहीं लिए गए थे या मजिस्ट्रेट ने सूची की सत्यता को प्रमाणित नहीं किया है। यह मामला 31 जनवरी, 2015 को यहां कदवंतरा के एक आलीशान फ्लैट से कोकीन की कथित जब्ती और चाको सहित पांच लोगों की गिरफ्तारी से जुड़ा है।

पिनराई विजयन का विधानसभा क्षेत्र अत्यधिक गरीबी से मुक्त घोषित पहला निर्वाचन क्षेत्र

कन्नूर/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के विधानसभा क्षेत्र को अत्यंत गरीबी से मुक्त घोषित किया गया है। साथ ही धर्मदम, प्रदेश का पहला ऐसा निर्वाचन क्षेत्र बन गया है, जिसे यह दर्जा दिया गया है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट में यह घोषणा की। उन्होंने पोस्ट कर कहा, धर्मदम, केरल का पहला ऐसा विस क्षेत्र बन गया है, जिसे अत्यधिक गरीबी से मुक्त घोषित किया है! विजयन ने कहा, हमारी आबादी का 1% से भी कम हिस्सा अत्यधिक गरीबी में है, इसलिए हम अब एक नवंबर को पूरे राज्य को अत्यंत गरीबी मुक्त घोषित करने की दिशा में काम कर रहे हैं, जो समावेशी विकास की हमारी यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि केरल में पहले से ही सबसे कम गरीबी दर है और प्रदेश सरकार अब अत्यंत गरीबी को पूरी तरह से खत्म करने के लिए काम कर रही है।

संविधान निर्माण में अंबेडकर की भूमिका है अतुल्य : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संविधान निर्माता एवं भारत रत्न डा भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयंती पर नमन करते हुए कहा है कि संविधान निर्माण में उनकी भूमिका अतुल्य हैं। देवनानी ने कहा कि डा अम्बेडकर ने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज के जरूरतमंद, पिछडे, उपेक्षित और निर्बल वर्गों को उन्नत करने में लगाया और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। स्वतन्त्र भारत को एक लोकतांत्रिक राष्ट्र बनाने के लिए संविधान निर्माण में उन्होंने अतुल्य भूमिका निभाई। बाबा साहेब ने पिछड़े और कमजोर वर्ग के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।

डा अम्बेडकर के सामाजिक सद्भाव, समानता, सामाजिक न्याय के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के बाईस भागों के मुख पृष्ठ पर भारत की संस्कृति और स्वाभिमान को दिखाती हुई तस्वीरें है।

उन्होंने कहा कि इन तस्वीरों में भारत की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो से लेकर महाभारत में कुरुक्षेत्र और कृष्ण द्वारा दिए गए

गीता के ज्ञान, भगवान राम की लंका विजय, भगवान बुद्ध का जीवन चरित्र, महान सम्राट अशोक, उज्जैन के न्यायप्रिय महाराज विक्रमादित्य के राजदरबार, प्राचीन वैदिक गुरुकुल, नालंदा विश्वविद्यालय, भगवान नटराज, रामभक्त हनुमान के साथ ही झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, छत्रपति वीर शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह को प्रदर्शित किया गया है।

देवनानी ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का सबसे लम्बा और लिखित संविधान है। यह हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य की नींव है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान का इतिहास उन लाखों भारतीयों के संघर्षों और स्वतंत्र होने की आशाओं में निहित है जो स्वतंत्रता, न्याय एवं समानता के लिए तरस रहे थे। महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, बाबा साहब अम्बेडकर, वीर सावरकर जैसे महापुरुषों के नेतृत्व में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम ने एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक भारत के लिए आशा की चिंगारी जलाई थी। उन्होंने कहा कि डा अम्बेडकर को संविधान के मुख्य वास्तुकार के रूप में जाना जाता है और भारतीय संविधान अद्भुत तार्किकता, दूरदर्शिता, संवेदनशीलता से युक्त एक ऐसा दस्तावेज है जिसमें विश्व के विभिन्न संविधानों के सर्वोत्तम तत्वों को शामिल किया गया था, साथ ही यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और दार्शनिक परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करता है।

अपने वोटों को साधने के लिए ममता सरकार ने बंगाल को जलने के लिए छोड़ा : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि बहुसंख्यक हिंदुओं पर राज्य में हमले हो रहे हैं और ममता बनर्जी की सरकार चुप है। केवल अपने वोटों को साधने के लिए उसने बंगाल को जलने के लिए छोड़ दिया है। शेखावत ने रविवार को अपने गृह जिले जोधपुर में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य के संरक्षण में और अपने वोटों के तुष्टीकरण के लिए जिस तरह के हालात बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के चलते हुए बने हैं, वो निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों रामनवमी उत्सव के समय और उसके बाद से लेकर अब निरंतर बहुसंख्यक हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। धार्मिक आधार पर उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। मंदिरों को क्षति पहुंचाई जा रही है। बहू-बेटियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। उसके बाद में भी ममता बनर्जी की सरकार चुप है और केवल अपने वोटों को साधने के लिए उसने बंगाल को जलने के लिए और हिंदू समाज को भुगतने के लिए छोड़ दिया है। उन्होंने कहा यह हालात एक बार फिर आजादी से पहले जिस तरह की व्यवस्था बंगाल में हुई थी, बंगाल विभाजन के समय हुई थी, उसका पुर्नस्मरण कराता है लेकिन मैं ऐसा मानता हूं कि अब जिस तरह की चेतना व्याप्त हुई है, आने वाले चुनाव में बंगाल को इससे मुक्ति मिलेगी और बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी।

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत और वंचित वर्गों के अधिकारों के सजग प्रहरी थे बाबा साहेब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय ,जोधपुर के अम्बेडकर अध्ययन केंद्र एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति एवं शिकायत प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में बृहस्पति भवन में रविवार को 'डॉ. बी.आर.अंबेडकर और भारतीय संविधान 75 वर्ष' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो कांता कटारिया, आईपीएए के महासचिव प्रो वाई पार्दसारधी, पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. केएल रैगर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई।

पटेल ने कहा डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत के संविधान निर्माता, सामाजिक क्रांति के अग्रदूत और वंचित वर्गों के अधिकारों के सजग प्रहरी के रूप में सदियों तक याद रखे जाएंगे। उन्होंने कहा डॉ. अंबेडकर केवल संविधान निर्माता नहीं, बल्कि महान विचारक, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री और मानवाधिकारों के संवाहक भी थे। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा डॉ अंबेडकर ने संविधान को समावेशी, प्रगतिशील और लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार मिले, चाहे उसकी जाति, धर्म, लिंग या सामाजिक स्थिति कोई भी हो। पटेल ने कहा कि महिला अधिकारों और श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में डॉ अंबेडकर के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा डॉ अंबेडकर ने 8 घंटे के कार्य दिवस, महिला श्रमिकों की सुरक्षा, सवेतन अवकाश और भविष्य निधि जैसे ऐतिहासिक निर्णयों से देश के श्रमिकों को सशक्त बनाया।

संसदीय कार्य मंत्री ने प्रतिभागियों से आह्वान करते हुए कहा हम अपने जीवन में संवैधानिक मूल्यों जैसे - न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को आत्मसात करें और एक समतामूलक समाज के निर्माण में सहभागी बनें। पटेल ने कहा बाबा साहेब का जीवन आज भी हमारी प्रेरणा है। हमें न केवल उनके विचारों को समझना है, बल्कि उन्हें आत्मसात करना है ताकि हम उनके सपनों का भारत बना सकें। जिसमें सामाजिक एवं आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना सुनिश्चित हो।

प्रदेश सरकार कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए कटिबद्ध : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर की पंचायत समिति मंडोर की नांदड़ी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रविवार को 61 लाख रुपये की लागत से ग्राम पंचायत नवनिर्मित भवन का विधिवत रूप से फीता काटकर लोकार्पण किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा गरीबी मुक्त राजस्थान के लिए 'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना' प्रारम्भ की गई है। प्रथम चरण में 5 हजार गाँवों में योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।उन्होंने कहा स्वामित्व योजना के इस वर्ष में 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित किए जाएंगे।

पटेल ने कहा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण के तहत प्रदेश में लगभग 1600 बसावटों को चरणबद्ध रूप से आगामी 2 वर्षों में डामर सड़कों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा चरणबद्ध रूप से 5 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण कस्बों में अटल प्रगति पथ का निर्माण करवाया जा रहा है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कृषि एवं किसान कल्याण के लिए पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर 9 हजार रुपये प्रतिवर्ष की गई है और गेहूँ के एमएसपी पर प्रति क्विंटल 150 रुपये का बोनस उपलब्ध करवाया जा रहा है। पटेल ने कहा कि प्रदेश में सबसे पिछड़े 35 ब्लॉक्स में विकास को गति देने के लिए गुरु गोलवलकर एस्पिरेशनल ब्लॉक्स डेवलपमेंट स्कीम के तहत 75 करोड़ रूपये का व्यय किया जाएगा। उन्होंने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए इस वर्ष महात्मा गांधी नरेगा के तहत 34 करोड़ मानव दिवसों का सृजन किया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सुशासन एवं जन केंद्रित प्रशासन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन पंचायत भवनों में मिनी सचिवालय की स्थापना की जा रही है। जिसके तहत एक ही छत के नीचे ग्रामीण विकास, पंचायती राज, राजस्व, कृषि विभाग एवं ई-मित्र संबंधित आमजन से जुड़े कार्य संपादित किए जाएंगे। पटेल ने कहा कृषि एवं उद्यानिकी के विकास के लिए 'राजस्थान कृषि विकास योजना' के तहत इस वर्ष 1 हजार 350 करोड़ के कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गयी है। इस वर्ष 35 लाख किसानों को 25 हजार करोड़ का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा इस वर्ष प्रदेश के युवाओं को एक लाख 25 हजार पदों पर सरकारी नौकरी दी जाएगी और निजी क्षेत्र में एक लाख 50 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा वर्षों बाद ड्राइवर एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों के बड़ी भर्ती की जा रही है और पेपर लीक माफिया पर निरंतर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

तीन दिवसीय सम्मेलन में बाघों को बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने पर जोर

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में आयोजित 'रॉयल रणथंभौर इंटरनेशनल टाइगर वीक' 2025 के शनिवार को दूसरे दिन वन्यजीव संरक्षण में प्रदेश की भूमिका, वन्यजीव आवासों की सुरक्षा, वन्यजीव शिकार के खिलाफ उठाये गये कदम पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा बाघ संरक्षण के लिए अद्वितीय कार्य करने वाले लोगों को सात श्रेणियों में सम्मानित किया गया। 'वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष एम.के. रणजीत सिंह झाला को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और राजसमंद के दिवंगत रेंजर किशोर कुमार समेत तीन लोगों को 'टाइगर वारियर्स अवॉर्ड' से नवाजा गया।

तीन दिवसीय 'रॉयल रणथंभौर इंटरनेशनल टाइगर वीक' 2025 का समापन रविवार को टाइगर सफारी के साथ होगा। 'रॉयल रणथंभौर इंटरनेशनल टाइगर वीक' के संस्थापक सुनील मंगल ने बताया कि बाघ संरक्षण एवं सुरक्षा कानून में अपना अहम योगदान निभाने वाले 'वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष एम.के. रणजीतसिंह झाला को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि राजसमंद के दिवंगत रेंजर किशोर कुमार को 'टाइगर वॉरियर्स अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

अनेक भागों में लू चलने की संभावना

जयपुर। राजस्थान में आगामी चार-पांच दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के साथ अनेक भागों में लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार से पश्चिमी राजस्थान में लू चलने का नया दौर शुरू होगा और प्रदेश के कुछ हिस्सों में 15-16 अप्रैल को लू चलने की प्रबल संभावना है। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि आगामी दिनों में जोधपुर, बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के अनेक भागों में लू तथा कहीं-कहीं तीव्र लू चलने की प्रबल संभावना है। इस दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 45-46 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि 17-18 अप्रैल को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं मेघगर्जन व हल्की-मध्यम आंधी आने की संभावना है।

कार और ट्रेलर की भिड़ंत में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

जयपुर। जयपुर के रायसर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक कार और ट्रेलर की भिड़ंत में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी रघुवीर सिंह ने बताया कि हादसा सुबह करीब आठ बजे मनोहरपुर-दौसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर नेकावाला टोल के पास हुआ है जब कार में सवार पांच लोगों का परिवार दौसा की ओर से खाटूश्याम मंदिर जा रहा था तभी ट्रेलर से आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान उत्तरप्रदेश के लखनऊ निवासी सत्यप्रकाश सोनी (60), उनकी पत्नी रामादेवी (55), बेटे अभिषेक सोनी (35), पुत्र वधु प्रियांशी (30) और छह माह की पोती के रूप में की गई है। ये सभी घूमने के लिए राजस्थान आए थे। सिंह ने बताया कि हादसा संभवत: ओवरटेक करने के प्रयास में हुआ। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

वन राज्यमंत्री ने वैशाखी के पावन पर्व पर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को वैशाखी के पावन पर्व पर अलवर शहर में भगतसिंह सर्किल पर पुरुषार्थी समाज के लोगों के साथ वीर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि शहीद भगत सिंह जी का बलिदान देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका बलिदान हमें देशभक्ति और सेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि वीर सपूत भगतसिंह ने अपने अद्वितीय संघर्ष से स्वाधीनता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की इसके लिए देश इनके अतुल्य त्याग और बलिदान के लिए हमेशा ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि वैशाखी का पर्व नई ऊर्जा और उमंग का प्रतीक है।

राज्यमंत्री शर्मा ने पुरुषार्थी समाज द्वारा राजीव गांधी राजकीय सामान्य चिकित्सालय में लगाए गए वाटर कूलर का शुभारंभ किया। उन्होंने पुरुषार्थी समाज द्वारा वाटर कूलर लगाए जाने पर साधुवाद देते हुए कहा कि इस तरह के कार्य समाज में मानव सेवा का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि इस वाटर कूटर के शुरू होने से चिकित्सालय में आने वाले लोगों को शीतल जल मिलेगा। साथ ही उन्होंने पुरुषार्थी समाज द्वारा पेयजल प्रभावित दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले आमजन की पेयजल व्यवस्था हेतु शुरू किए गए 'पानी के टैंकर' को झंडी दिखाकर रवाना किया।राज्य सरकार द्वारा अपने दोनों बजटों में अलवर जिले की पेयजल समस्या समाधान हेतु अनेक सौगाते दी गई है। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में आमजन को पेयजल हेतु परेशानी का सामना नहीं करने पडे इसके लिए विधायक निधि की सम्पूर्ण 5 करोड रूपये की राशि अलवर शहर की जनता की पेयजल समस्या को दूर करने के लिए समर्पित की गई है।

भजनलाल की बैसाखी पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई उमंग और नई फसल के स्वागत के प्रतीक पर्व बैसाखी की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर शर्मा ने अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ और उनके अथक परिश्रम का प्रतीक यह पर्व सभी के जीवन में समृद्धि, उल्लास और नवीन ऊर्जा का संचार करने की कामना की। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने जलियांवाला बाग हत्याकांड की वर्षगांठ पर अमर शहीदों को नमन किया और मां भारती की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले इन अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इन शहीदों का अमर बलिदान चिरकाल तक हर भारतवासी के हृदय में राष्ट्र सेवा की ज्योति जागृत करता रहेगा।

भाजपा धर्म और जाति के नाम पर लोगों को लड़ाने के एजेंडे पर काम कर रही है : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर धर्म और जाति के नाम पर लोगों को लड़ाने के एजेंडे पर काम करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता जूली ने कहा कि उनके जाने के बाद मंदिर में गंगाजल का छिड़काव करने वाले भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा को पहले भी निलंबित किया गया था और उन्हें फिर से बहाल कर दिया गया था तथा एक महीने बाद उन्हें फिर से बहाल कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोग सब समझते हैं।

जूली ने अजमेर जिले के किशनगढ़ में संवाददाताओं से कहा, लोगों को कभी धर्म के नाम पर तो कभी जाति के नाम पर लड़ाने का एजेंडा चल रहा है। उनकी यह टिप्पणी भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा द्वारा अलवर के

राम मंदिर में गंगाजल छिड़कने के कुछ दिनों बाद आई है। अलवर के मंदिर में दलित नेता जूली पूजा करने गए थे। आहूजा ने कहा था कि मंदिर में जाने वाले कांग्रेस नेताओं ने इसे अपवित्र कर दिया। जूली ने कहा, अलवर के मंदिर में गंगाजल छिड़कने के विवाद पर न तो मुख्यमंत्री और न ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने एक शब्द बोला। केवल विधायक ज्ञानदेव आहूजा को निलंबित किया गया और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निलंबन पहले भी हुआ था, लेकिन वापस ले लिया गया था। यह निलंबन केवल दिखावा है। इसे भी वापस ले लिया जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा था कि पार्टी आहूजा के बयान और कार्रवाई का समर्थन नहीं करती। रविवार को जयपुर से अजमेर जाते समय नेता प्रतिपक्ष कुछ देर के लिए किशनगढ़ में रुके। उन्होंने किशनगढ़ विधायक डॉ. विकास चौधरी के साथ राजकीय यज्ञ नारायण अस्पताल के ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया। जूली ने कहा कि चाहे मदन दिलावर का आदिवासियों का डीएनए टेस्ट करवाने का बयान हो या ज्ञानदेव आहूजा का मंदिर को गंगाजल से शुद्ध करने का कृत्य, इन सबका एक तय एजेंडा है। उन्होंने कहा कि भाजपा जाति और धर्म के नाम पर लोगों को आपस में लड़ाने का खेल खेल रही है।

जूली ने भाजपा की राज्य सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार बार-बार कह रही है कि वह बिजली महंगी करेगी, पानी महंगा करेगी और पेंशन बंद कर देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार सिर्फ गरीबों के खिलाफ ही कार्य करती है और अगर कुछ करना है तो अमीरों के खिलाफ करो। जूली ने बीकानेर के नूरसर में संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की फोटो पर कालिख पोते जाने की घटना की निंदा करते हुए राज्य सरकार से मामले में तुरंत संज्ञान लेकर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर लिखा यह अपमान है, यह अत्याचार है, यह असहनीय है।

जब से वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हुआ तभी से हिंसा भड़काई जा रही : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों खासतौर पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि जब से वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तभी से इसके खिलाफ हिंसा भड़काई जा रही है।

रविवार को यहां राज्य की राजधानी लखनऊ में भागीदारी भवन में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान की प्रदेश कार्यशाला की शुरुआत करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''आश्चर्य होता है कि यह वही देश है जिसमें वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीन कब्जा ली गयी है। उनके (कब्जा करने वालों के) पास कोई कागज नहीं, कोई राजस्व का रिकॉर्ड नहीं है और जब से (वक्फ) संशोधन विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तो इसके लिए हिंसा भड़काई जा रही है।'' योगी ने कहा, ''पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन हिंदुओं की उनके घरों से खींचकर हत्या कर दी गयी। ये सब कौन हैं, ये वही दलित, वंचित और गरीब हैं जिनको इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए इन्हें (विपक्षी दलों) भय है कि ऐसा हुआ तो इनका वोटबैंक और गुमराह करने की राजनीति हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे।'' पिछले सप्ताह संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम मंगलवार से लागू हो गया। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया, ''वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार ने आठ अप्रैल 2025 से उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू किए हैं।'' लोकसभा और राज्यसभा ने क्रमशः तीन अप्रैल और चार अप्रैल की मध्य रात्रि के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल को इसे अपनी मंजूरी दे दी। वक्फ (संशोधन) विधेयक आने के बाद से ही तमाम मुस्लिम संगठन समेत विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती से एक दिन पहले उनकी याद में शुरू किए गए अभियान की विस्तार से जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब तक हम सही तथ्य जनता जनार्दन के सामने नहीं रखेंगे तो ये लोग गुमराह करके अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करते रहेंगे और वे लोग इसी प्रकार गुमराह करके, देश में अव्यवस्था पैदा करके दलितों, वंचितों का शोषण करते रहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''वे दलितों, गरीबों और वंचितों को उनके अधिकारों से वंचित करते रहेंगे। इसलिए कार्ययोजना के साथ भाजपा की कार्यशाला यहां आयोजित हो रही है।'' योगी ने कहा, ''बाबा साहेब अंबेडकर की जहां कहीं भी प्रतिमा है, उनके नाम पर पार्क है, वहां आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और सरकार के अधिकारीगण स्वच्छता के विशेष कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं।''

अपने दलित सांसद के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहे हैं सपा अध्यक्ष : राजभर

बलिया (उप्र), 13 अप्रैल (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन के मेवाड़ा के राजा रहे राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान पर करणी सेना के हंगामे के बीच उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने रविवार को सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सुमन के 'कंधे पर रखकर' बंदूक चलाने का आरोप लगाया।

राजभर ने बेल्थरा रोड में भाजपा द्वारा आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, सपा बहुत खतरनाक खेल खेल रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव दलित सांसद रामजीलाल सुमन के कंधे पर बंदूक रखकर गोली चला रहे हैं। उन्होंने सुमन पर एक योजना के तहत दबाव डालकर प्रायोजित तरीके से जबरदस्ती संसद में बयान दिलाया। सपा एक दलित के बेटे को आगे करके एक योजना के तहत उत्तर प्रदेश के सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का प्रयास कर रही है। राजभर ने कहा, यह सारा काम सत्ता गंवाने की छटपटाहट में किया जा रहा है। वे सत्ता पाने के लिए कुछ भी करने वाले लोग हैं।

असम में वक्फ कानून विरोधी आंदोलन के प्रदर्शनकारियों ने किया पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी, 13 अप्रैल (भाषा) असम के कछार जिले में रविवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ आयोजित एक रैली में प्रदर्शनकारियों के पुलिस पर पथराव करने पर पुलिसकर्मियों ने भी लाठीचार्ज किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हाल ही में पारित कानून का विरोध करने के लिए बिना अनुमति के सिलचर शहर के बेरेंगा इलाके में कई सौ लोग सड़कों पर उतर गए। उन्होंने कहा, ''करीब 300-400 लोग सड़क जाम कर प्रदर्शन कर रहे थे। जब हमने रास्ता खाली कराने की कोशिश की तो उनमें से कुछ ने हम पर पत्थर फेंके। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हमें हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।''

उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है, लेकिन अभी तक किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है और ना ही किसी को गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे दिखाए और भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाए तथा अधिनियम को निरस्त करने की मांग की।

आधा सच बोलने की बीमारी से ग्रस्त हैं अखिलेश यादवः केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 13 अप्रैल (भाषा) उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर आधा सच बोलने की बीमारी से ग्रस्त होने का आरोप लगाया। मौर्य की यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव के उस बयान के एक दिन बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि इटावा के मतदाताओं ने ही बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम को लोकसभा भेजा था।

मौर्य ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,आधा सच बताने की बीमारी से ग्रस्त हैं सपा बहादुर श्री अखिलेश यादव। उन्होंने कहा कि सच यह है कि 1991 के लोकसभा चुनाव में सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने अगर इटावा में कांशीराम की मदद की थी तो कांशीराम ने भी जसवंतनगर से बसपा का उम्मीदवार न उतार कर मुलायम सिंह यादव को जिताने में मदद की थी।

मौर्य ने इसी पोस्ट में दावा किया लेकिन इससे बड़ा सपा का काला सच यह है कि दो जून, 1995 को सपा के गुंडों ने लखनऊ के स्टेट गेस्टहाउस में दलितों की सबसे बड़ी नेता बहन सुश्री मायावती की आबरू लूटने और उनकी हत्या की कोशिश की थी। उन्होंने कहा लेकिन दलितों के सम्मान में सदा समर्पित भाजपा ने सपाई गुंडों को छठी का दूध याद दिलाकर उसके मंसूबों को विफल कर बहन जी की लाज और जीवन दोनों को बचाया था।

केशव प्रसाद मौर्य ने दावा किया कि ऐसे ही अपने गुंडों की फौज पर अखिलेश आज भी इतराते हैं और सपा पिछड़ों दलितों वंचितों की असल दुश्मन है।

मणिपुर कांग्रेस वक्फ कानून के खिलाफ कोर्ट का रुख करेगी : पूर्व मुख्यमंत्री इबोबी सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल, 13 अप्रैल (भाषा) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ओकराम इबोबी सिंह ने रविवार को कहा कि पार्टी की मणिपुर इकाई वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करेगी।

मणिपुर के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने दावा किया कि यह अधिनियम संविधान का घोर उल्लंघन है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हम इस कानून का पूरी तरह से विरोध करते हैं। भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, लेकिन (केंद्र की) मौजूदा राजग सरकार मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमला कर रही है। कांग्रेस की राज्य इकाई इस कानून के खिलाफ लड़ने की तैयारी कर रही है। एक टीम दिल्ली के लिए रवाना होगी और बुधवार तक, इस कानून को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में याचिका दायर करेगी।'' सिंह ने कहा, ''वक्फ (संशोधन) अधिनियम संविधान का घोर उल्लंघन है और इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।''

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने पर भी सवाल उठाया और आश्चर्य जताया कि विधानसभा में पर्याप्त संख्या बल होने के बावजूद भाजपा सरकार क्यों नहीं बना रही है। उन्होंने कहा, ''हम मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के पक्ष में नहीं हैं। लोकतांत्रिक सरकार का प्रतिनिधित्व विधायक करते हैं। राष्ट्रपति शासन लगाने से पता चलता है कि वे राज्य में शासन नहीं कर सकते और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम नहीं हैं। अब भी उनके (भाजपा के) पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या है। लेकिन हमें नहीं पता कि इसकी (सरकार बनाने की) अनुमति क्यों नहीं दी गई।'' उन्होंने कुकी समुदाय से चुराचांदपुर जिले में थांगजिंग पहाड़ियों पर मेइती लोगों की वार्षिक तीर्थयात्रा के प्रति अपने विरोध पर पुनर्विचार करने का भी आग्रह किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''चाहे कुकी हों, नागा हों, मुस्लिम हों या मेइती हों, हम मणिपुर में अनादि काल से एक साथ रह रहे हैं। मैं कुकी समुदाय से अपील करना चाहूंगा कि वे थांगजिंग पहाड़ियों की वार्षिक तीर्थयात्रा के विरोध पर पुनर्विचार करें। हमें एक साथ रहना ही होगा। हम सभी मणिपुरी हैं। हम अवैध प्रवासियों के पक्ष में नहीं हैं। लेकिन स्थानीय लोगों को एक साथ रहना होगा।'' उन्होंने यह अपील कम से कम छह कुकी संगठनों द्वारा मेइती समुदाय की थांगजिंग पहाड़ियों की वार्षिक तीर्थयात्रा का विरोध करने के बीच की।

ओडिशा के भुवनेश्वर में 77वां राजधानी स्थापना दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर, 13 अप्रैल (भाषा) ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी ने राजधानी शहर के रूप में भुवनेश्वर के 77वें स्थापना दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया और विशेष परेड की सलामी ली।

ओडिशा विधानसभा के निकट आधारशिला पट्टिका पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ समारोह की शुरुआत हुई। इसके बाद अध्यक्ष ने ध्वजारोहण किया।

राजधानी स्थापना दिवस समारोह समिति के उपाध्यक्ष पी मोहंती ने कहा, ''भीषण गर्मी को देखते हुए हमने जानबूझकर स्कूली छात्रों को परेड और समारोह से दूर रखा है।''

पाढ़ी ने भुवनेश्वर की खुशहाली की कामना करते हुए कहा, ''ओडिशा की नई राजधानी के रूप में भुवनेश्वर की स्थापना 13 अप्रैल, 1948 को की गई थी तब इसकी आबादी सिर्फ 16,000 थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने राजधानी की आधारशिला रखी थी। आज भुवनेश्वर में 13 लाख से अधिक लोग रहते हैं।''इससे पहले, कटक ओडिशा की राजधानी थी।

ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने लोगों को इस मौके पर बधाई दी और शहर के सर्वांगीण विकास की कामना की।

मुर्शिदाबाद हिंसा

प्रभावित इलाकों मे दिख रहा तबाही का मंजर, सुरक्षा बल सतर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता, 13 अप्रैल (भाषा) पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और बर्बादी का मंजर रविवार को भी सड़कों पर जले हुए वाहनों, लूटे गये शॉपिंग मॉल और फार्मेसी में तोड़फोड़ के रूप में देखने को मिला।

मुर्शिदाबाद में रविवार को सड़कें सुनसान रहीं, दुकानें बंद रहीं और लोग घरों के अंदर ही रहे। पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बल धूलिया, शमशेरगंज और सुती क्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों में गश्त कर रहे हैं, जहां पिछले दो दिनों से हिंसा जारी है। मीडिया की टीम जब धुलियान में गई तब कुछ स्थानीय लोगों ने उन्हें एक क्षतिग्रस्त इमारत के भीतर बम के छर्रे तथा फर्नीचर की राख दिखाई,जिन्हें उपद्रवियों ने प्रांगण में जमा कर आग लगा दी थी। एक व्यक्ति ने कहा, ''हम अचंभित रह गए, क्योंकि अचानक सैकड़ों लोगों का हथियारबंद गिरोह सामने आ गया। वे खून के प्यासे थे और चिल्ला रहे थे कि हमारे समुदाय के किसी भी सदस्य को इस क्षेत्र में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी, क्योंकि हम अधिनियम के माध्यम से वक्फ भूमि को छीनने की साजिश में सहयोग कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमने जब उनसे गुहार लगाई, तो उन्होंने हमें कोई नुकसान नहीं पहुंचाया, लेकिन कई बम धमाके किये और मौके से भागने से पहले संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस काफी देर बाद पहुंची।'' सुती में एक दवा की दुकान का मालिक गश्त कर रहे जवानों से आश्वासन मिलने के बाद दुकान में हुए नुकसान का आकलन कर रहा था। उसने बताया,''मैं यहां 50 साल से रह रहा हूं, लेकिन ऐसा तांडव कभी नहीं देखा। एक उन्मादी भीड़ मेरी दुकान की ओर मुड़ी और इससे पहले कि मैं और मेरे कर्मचारी कुछ कर पाते, वे परिसर में घुस गए, हमारी पिटाई की और दुकान में लूटपाट शुरू कर दी। जब उत्पात जारी रहा, तो हम मौके से भाग गए।'' विनाश का ऐसा ही मंजर सुती, शमशेरगंज और धुलियान में भी देखने को मिला और ऐसा लग रहा था जैसे युद्धक्षेत्र हो, क्योंकि भारी हथियारों से लैस केंद्रीय बलों ने पुलिस और आरएएफ कर्मियों के साथ मिल राष्ट्रीय राजमार्ग और गलियों में मार्च किया।

मुर्शिदाबाद हिंसा : तृणमूल का फर्जी तस्वीरें प्रसारित करने का आरोप, भाजपा ने धार्मिक उत्पीड़न बताया

कोलकाता, 13 अप्रैल (भाषा) पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि सोशल मीडिया पर हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले के लोगों की कथित तस्वीरें और वीडियो फर्जी हैं और उसने इसके पीछे साजिश होने का आरोप लगाया। वहीं, विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि लोग इसलिए भाग रहे हैं क्योंकि राज्य में ''धार्मिक उत्पीड़न वास्तविकता है।'' मुर्शिदाबाद जिले के सुती और शमशेरगंज ब्लॉक में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, कई अन्य घायल हो गए और कई दुकानों में आग लगा दी गई। शुक्रवार को हिंसा शुरू होने के बाद से सैकड़ों लोग उन इलाकों से भाग रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष और प्रवक्ता कुणाल घोष ने आरोप लगाया कि भाजपा इंटरनेट पर हिंसा और आगजनी की फर्जी तस्वीरें और वीडियो साझा कर रही है और उन्हें पश्चिम बंगाल में घटित बता रही है। सागरिका ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भाजपा की राज्य इकाई द्वारा जारी एक पोस्ट को साझा किया, जिसमें ''पश्चिम बंगाल'' में नौ हिंदू त्योहारों के दौरान हिंसा दर्शाती तस्वीरें थीं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में ऐसी कोई भी घटना नहीं हुई एवं उक्त विशिष्ट स्थानों की सूची दी।

बंगाल: टीएमसी विधायक ने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा की निंदा की, कहा 'सभी को शांति से रहने का अधिकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता, 13 अप्रैल (भाषा) पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन की निंदा की और कहा कि ये हमले इस्लाम की भावना के खिलाफ हैं। मुर्शिदाबाद में हुए हिंसक प्रदर्शनों में तीन लोगों की मौत हो गई थी।

मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर से विधायक कबीर ने हिंसा में शामिल अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर देते हुए यह भी कहा कि प्रत्येक नागरिक को, फिर चाहे उसकी धार्मिक मान्यताएं कुछ भी हों, बिना किसी भय के शांतिपूर्वक रहने का अधिकार है। मुर्शिदाबाद जिले के सुती और शमशेरगंज ब्लॉक में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन में एक व्यक्ति और उसके बेटे सहित कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। शुक्रवार को हिंसा शुरू होने के बाद से सैकड़ों लोग इन इलाकों से पलायन करने लगे हैं। कबीर ने कहा, यह हमारे देश में स्वीकार्य नहीं है।

त्रिपुरा में लड़की से सामूहिक बलात्कार, एक आरोपी गिरफ्तार

अगरतला, 13 अप्रैल (भाषा) उत्तरी त्रिपुरा के कदमतला क्षेत्र में खाली पड़े एक मदरसे के छात्रावास के अंदर 14 वर्षीय एक लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार रात को उस समय हुई जब धर्मनगर उपखंड के कुर्ती गांव की निवासी लड़की उसी इलाके में एक रिश्तेदार के विवाह समारोह में शामिल होने जा रही थी। थाने के प्रभारी जयंत देबनाथ ने बताया, नाबालिग समेत दो लोगों ने उसका अपहरण कर लिया और उसे पास के एक खाली पड़े मदरसा के छात्रावास में ले गए, जहां उन्होंने बारी-बारी से बलात्कार किया। बाद में वे उसे वहीं छोड़कर भाग गए। लड़की जब घर लौटी और माता-पिता को अपनी आपबीती बताई तो गुस्साए गांववालों ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी और उसी रात 19 वर्षीय एक आरोपी को उसके घर से पकड़ लिया।

सॉल्ट और कोहली का अर्द्धशतक, आरसीबी ने राजस्थान को रौंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 13 अप्रैल (भाषा) फिल सॉल्ट और विराट कोहली के अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को नौ विकेट से रौंद दिया। सॉल्ट (65 रन, 33 गेंद, छह छक्के, पांच चौके) और कोहली (नाबाद 62, 45 गेंद, चार चौके, दो छक्के) के बीच पहले विकेट की 92 रन की तेजतर्रार साझेदारी से आरसीबी ने 174 रन के लक्ष्य को 17.3 ओवर में एक विकेट पर 175 रन बनाकर हासिल कर लिया।

कोहली ने देवदत्त पडिक्कल (नाबाद 40, 28 रन, पांच चौके, एक छक्का) के साथ दूसरे विकेट के लिए 83 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। राजस्थान रॉयल्स ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (75 रन, 47 गेंद, 10 चौके, दो छक्के) के अर्धशतक से चार विकेट पर 173 रन बनाए। जायसवाल ने रियान पराग (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी भी की। ध्रुव जुरेल ने अंत में 23 गेंद में दो चौकों और दो छक्कों से नाबाद 35 रन की पारी खेलकर टीम को चुनौतपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे आरसीबी को सॉल्ट और कोहली ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में 65 रन जोड़े। सॉल्ट ने जोफ्रा आर्चर पर चौके और छक्के के साथ अपनी पारी की शुरुआत की जबकि कोहली ने तुषार देशपांडे पर चौका जड़ा।

सॉल्ट ने आर्चर के दूसरे ओवर में चौका और छक्का मारा जबकि कोहली सात रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब संदीप शर्मा की गेंद पर पराग उनका कैच लपकने में नाकाम रहे।

सॉल्ट ने महेश तीक्षणा और संदीप शर्मा पर भी छक्के मारे। संदीप की गेंद पर हालांकि सॉल्ट भाग्यशाली रहे जब कवर्स में जायसवाल ने उनका कैच टपका दिया।

सॉल्ट ने वानिंदु हसरंगा पर चौके के साथ 28 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और फिर इस स्पिनर पर छक्का भी जड़ा।

सॉल्ट ने कुमार कार्तिकेय पर भी छक्का मारा लेकिन अगली गेंद को डीप मिडविकेट पर जायसवाल के हाथों में खेल गए।

आरसीबी के रनों का शतक 10वें ओवर में पूरा हुआ। कोहली ने कार्तिकेय और हसरंगा पर छक्के के साथ 39 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। पडिक्कल ने देशपांडे पर चौके और छक्के के बाद संदीप पर चौके के साथ टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद जायसवाल और संजू सैमसन (15) ने पावर प्ले में 45 रन जोड़कर टीम को सतर्क शुरुआत दिलाई। जायसवाल ने भुवनेश्वर कुमार पर चौके से खाता खोला और फिर यश दयाल की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा।

हमारा 173 रन का स्कोर अच्छा था, लेकिन आरसीबी का इरादा बेहतर था : सैमसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 13 अप्रैल (भाषा) राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने रविवार को यहां हार के बाद स्वीकार किया कि सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच पर उनकी टीम के 173 रन का स्कोर बचाव किया जा सकता था लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के बल्लेबाजों ने शानदार जज्बे की बदौलत इसे आसानी से हासिल कर लिया।

फिल साल्ट की 33 गेंद में 65 रन की विस्फोटक पारी ने नींव रखी और विराट कोहली के 100वें टी20 अर्धशतक से आरसीबी ने बिना किसी परेशानी के बड़े लक्ष्य का पीछा किया। टीम की लगातार दूसरी हार के बाद सैमसन ने कहा, ''धीमे विकेट पर टॉस हारने के बाद 170 रन के आसपास का स्कोर वाकई अच्छा स्कोर था। पावरप्ले में बल्लेबाजी करना मुश्किल था।'' हालांकि आरसीबी ने इसी पिच पर शानदार प्रदर्शन किया और 15 गेंद रहते हुए मैच जीतने में सफल रही। सैमसन ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने पावरप्ले में ही मैच गंवा दिया था। उन्होंने कहा, ''मुझे पता था कि साल्ट और कोहली हमें कड़ी टक्कर देंगे। उन्होंने पावरप्ले में ही मैच जीत लिया।'' उन्होंने अपने क्षेत्ररक्षकों द्वारा छोड़े गए कई कैच के लिए उन्हें दोषी नहीं ठहराया।

सुविचार

सफलता हमारा परिचय दुनिया को करवाती है, और असफलता हमें दुनिया का परिचय करवाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दोहरी नीति क्यों?

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद 26/11 हमलों के पीड़ितों को न्याय दिलाने की बात कहते हुए जिस अंदाज़ में ख़ुशी जताई है, उसके दूसरे पहलू को देखना जरूरी है। तहव्वुर एनआईए की हिरासत में है। उस पर मुकदमा चलेगा और कई सबूतों पर बहस होने के बाद फैसला आएगा। इसमें काफी समय लग सकता है, क्योंकि फैसले से असंतुष्ट होने पर उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय जाने का भी विकल्प रहेगा। तब तक अमेरिकी विदेश मंत्री आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ठोस कदम उठा सकते हैं। अगर आतंकवाद का खात्मा करना है तो उसकी जड़ को उखाड़ फेंकना होगा। तहव्वुर राणा, हाफिज सईद, जकीउर्रहमान लखवी, मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकवादी पाकिस्तान के उत्पाद हैं। अमेरिका को मानवता की इतनी ज्यादा चिंता है तो उसे पाकिस्तान के खिलाफ आर्थिक एवं सैन्य प्रतिबंधों की घोषणा करनी चाहिए। यह नहीं हो सकता कि एक तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री आतंकवाद की निंदा करें और दूसरी तरफ उनका देश डॉलर की पेटियां पाकिस्तान भेजता रहे! क्या ऐसे आतंकवाद खत्म होगा? इस बात के पर्याप्त सबूत मौजूद हैं कि पाकिस्तान ने अमेरिका से मिली आर्थिक एवं सैन्य सहायता का दुरुपयोग किया और आतंकवाद की आग भड़काई। उसने अफगानिस्तान को तबाह कर दिया। भारत उसका दृढ़ता से मुकाबला कर रहा है और सैकड़ों आतंकवादियों का खात्मा भी किया है। जब तक अमेरिका इस्लामाबाद को धन और हथियार देता रहेगा, आतंकवाद के खिलाफ उसके बयान महत्त्वहीन रहेंगे।

अमेरिका को यह दोहरी नीति छोड़नी होगी। उसके द्वारा सार्वजनिक किए गए विभिन्न आंकड़े बताते हैं कि वह अब तक पाकिस्तान को अरबों डॉलर की सहायता दे चुका है। उसने साल 2002 से 2011 के बीच 18 अरब डॉलर की सहायता दी थी। यह वो दौर था, जब पाक में मुशर्रफ की तानाशाही चली और भारत में कई आतंकवादी हमले हुए थे। 26/11 हमले भी उसी दौरान किए गए थे। कोएलिशन सपोर्ट फंड के तहत दी गई उस सहायता का उद्देश्य पाकिस्तान को अफगानिस्तान में 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई' में सहयोग करना था। ये शब्द कितने हास्यास्पद लगते हैं! जिस देश का राजनीतिक एवं सैन्य नेतृत्व आतंकवाद का खुलकर समर्थन करता है, जहां आतंकवादी शिविर चल रहे हों, उसे अमेरिका अरबों डॉलर की सहायता देता है, ताकि आतंकवाद से मुकाबला किया जाए! यह तो बंदर के हाथ में उस्तरा थमाने जैसा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में पाकिस्तान पर 'झूठ और धोखे' का आरोप लगाते हुए सहायता में कटौती जरूर की, लेकिन पूरी तरह बंद नहीं की थी। उनके बाद जो बाइडन ने खूब दरियादिली दिखाई। अमेरिका ने साल 2022 में एफ-16 लड़ाकू विमानों के कथित रखरखाव के लिए 450 मिलियन डॉलर की सहायता मंजूर की थी। इसके अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग के नाम पर सहायता जारी रखी। उसने साल 2022 में पाकिस्तान में आई बाढ़ के बाद 97 मिलियन डॉलर की सहायता दी थी। कई रिपोर्टों में बताया गया कि अमेरिका ने साल 2024 में पाकिस्तान के प्रति प्रेम का भरपूर प्रदर्शन करते हुए लगभग 101 मिलियन डॉलर की सहायता दी थी। वजह थी- लोकतंत्र की मजबूती और आतंकवाद का विरोध! उस सहायता से पाकिस्तान में न तो लोकतंत्र मजबूत हुआ और न ही उसकी आतंकी गतिविधियों पर रोक लगी। अलबत्ता एलओसी के रास्ते आतंकवादी घुसपैठ की कोशिशें करते रहे और भारतीय सुरक्षा बलों के हाथों ढेर होते रहे। अब अमेरिकी विदेश मंत्री (26/11 हमलों में मारे गए) अपने छह नागरिकों समेत 166 लोगों को न्याय दिलाने के लिए भारत के साथ मिलकर लंबे समय से किए जा रहे 'प्रयास' गिना रहे हैं तो इसमें विरोधाभास झलकता है। अगर अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करना चाहता है तो पाकिस्तान को मिलने वाली सहायता पर तुरंत ताला लगाए।

ट्वीटर टॉक

भगवान श्री महावीर जी ने अपने विचारों से समाज को मानवता, सत्य, अहिंसा और भाईचारे का मार्ग दिखाया जो कि हमारे लिए अनुकरणीय है। जैन समाज के द्वारा समाज के उत्थान के लिए समय-समय पर की जा रही सामाजिक सेवा गतिविधियां प्रशंसनीय है।

-दीया कुमारी

आज लूणी के फिंच गांव के डूंगर तालाब किनारे सामुदायिक संवाद कार्यक्रम में देवतुल्य स्थानीयजनों से विकास और विशेषकर जल संरक्षण पर विचार साझा किए। लूणी एवं धवा क्षेत्र के तालाबों में जल संरक्षण व संवर्धन हेतु उपयोगी निर्माण हुए हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

नई उमंग और नई फसल के स्वागत के प्रतीक पर्व बैसाखी की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ और उनके अथक परिश्रम का प्रतीक यह पर्व सभी के जीवन में समृद्धि, उल्लास और नवीन ऊर्जा का संचार करे।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

धर्म का मर्म

एक गौतम बुद्ध के एक शिष्य थे भिक्षुक विनायक। शास्त्र आदि पढ़कर वे अहंकार से भर गए थे। कहीं भी लोगों को एकत्र कर ज़ोर-ज़ोर से अपना ज्ञान उड़ेलते और नसीहतें देने लगते। महात्मा बुद्ध एक दिन उन्हें भ्रमण के लिए ले गए। एक स्थान पर उन्होंने गायों के एक झुंड की ओर इशारा करते हुए कहा, 'शिष्य, ज़रा गिनकर बताओ कि किस रंग की कितनी गायें हैं।' विनायक ने ध्यानपूर्वक गिनकर ठीक-ठीक संख्या बता दी। बुद्ध ने मुस्कराते हुए पुनः पूछा, 'तो क्या अब ये सभी गायें तुम्हारी हो गईं?' भिक्षुक विनायक चकित होकर बोले, 'मैं समझा नहीं तात, सिर्फ़ गिन लेने भर से ये गायें मेरी कैसे हो सकती हैं?' महात्मा बुद्ध ने गंभीर स्वर में कहा, 'हमारे कर्म भी इन गायों की तरह हैं और धर्म उनका रंग है। जिस प्रकार केवल गिन लेने से ये गायें तुम्हारी नहीं हुईं, उसी प्रकार केवल भाषण देने से सत्कर्म और धर्म के स्वामी नहीं बना जा सकता। धर्म तो तब सार्थक होता है जब हम उसमें संलग्न होकर जीव-प्राणी की सेवा व साधना करें। प्रेम जगाओ, लोगों को केवल सत्कर्म का पाठ मत पढ़ाओ, बल्कि अपने कर्तव्यों का पालन कर उन्हें व्यवहार में लाओ। तभी तुम्हें जीवन के सही अर्थ का बोध होगा।'

सामयिक

राष्ट्र के सजग पथ प्रदर्शक थे डा. अम्बेडकर

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर हमारे देश के संविधान के निर्माता ही नहीं अपितु दुनिया के सबसे बड़े राजनेताओं में से एक थे। उनकी दूर दृष्टि, उनके ज्ञान, लोगों को समझने का उनका नजरिया, जाति प्रथा के विरुद्ध उनके तेवर को देखते हुए ही उन्हें भारतीय संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया था। ताकि भारत का संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक हो। आज हम देखते हैं कि बाबा साहेब अम्बेडकर के नेतृत्व में रचित भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र का एक सजग प्रहरी बनकर खड़ा हुआ है। जहां कहीं भी सरकार द्वारा नियम विरुद्ध कुछ किया जाता है तो संविधान उन्हें उनके कर्तव्य पथ की याद दिलाकर सही राह पर चलने की प्रेरणा देता है। भारत का संविधान आज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक माना जाता है जिसका श्रेय बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर को जाता है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है क्योंकि इसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को आकार देने में मदद की। पुरानी और पुरातन मान्यताओं से प्रगति लाकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था।

देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबा साहेब अम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर अम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था।

बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव अम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती।

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग अम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.अम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले बनें।

भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो अम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। अम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण अंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण अम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था।

डा.भीमराव अम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओं के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में अंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है।

जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा. अम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.अम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा. अम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। अम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

डा. अम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान अम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को अम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा. अम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे।

अम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में अम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। अम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। बाबा साहब ने शिक्षित बनों, संगठित रहो तथा संघर्ष करो का नारा दिया था। शिक्षित बनने का अर्थ है कि हमारे ज्ञान के द्वार खुलते हैं और संगठित रहो का मतलब शक्ति प्राप्त करना हैं।

बोध कथा

संवेदनशीलता और सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया। वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता। योगी ने उसके कर्मों को देखकर बताया कि उसने तो परिश्रम किया, लेकिन उसके कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा नहीं दी। उसने कहा कि अगर वह अपने कर्मों को सही दिशा में ले जाता तो उसका सपना पूरा हो सकता था। अर्जुन ने इसे सबसे गहराई से समझने की कोशिश की, और योगी के संदेश को समझकर उसने अपने कर्मों में सुधार करने का निर्णय लिया। उसने योगी से सीखा कि कर्मों को न केवल बिना उम्मीद के किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही

दिशा में करने की भी आवश्यकता होती है। अर्जुन ने योगी की सीखों का पालन किया और अपने कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा देने लगा।

उसके कर्मों में सुधार होता गया और वह अपने सपने की ओर बढ़ता गया। कुछ महीनो बाद अर्जुन का सपना पूरा हो गया और वह अमीर बन गया। वह समझ गया कि कर्मों को सही दिशा में करने से ही सफलता मिलती है। आत्मा की शक्ति है मन संवेदनशीलता और सही दिशा।

नजरिया

कहर बनकर टूट रही है आकाशीय बिजली

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

जलवायु परिवर्तन से जनजीवन बेहताशा प्रभावित हुआ है वहीं कुदरती आपदाएं बढ़ गई हैं। इन आपदाओं में सबसे ज्यादा मौतें बिजली गिरने से हो रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार आकाशीय बिजली गिरने से सबसे ज़्यादा नुकसान उन लोगों को होता है जो आंधी-तूफ़ान के दौरान बाहर खुले में रहते हैं और इसका सबसे ज़्यादा नुकसान किसानों को होता है जिनकी फसल तो चौपट होती ही है साथ ही खुले खेतों में काम करने के कारण उनके बिजली गिरने की आशंका सबसे ज़्यादा होती है। देश के अनेक राज्य इस समय मौसम में बदलाव के कारण आंधी, तूफ़ान बारिश, और आकाशीय बिजली गिरने की आपदा का शिकार हो रहे है। विशेषकर आकाशीय बिजली कहर बनकर टूट रही है। बिजली गिरने से लोगों की मौत की खबरें सामने आ रही हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार सहित कई प्रदेशों में सौ से अधिक लोगों की मौतें होने के समाचार मिले है वहीं बहुत से लोग घायल हो गए। पशुओं के मरने, पेड़ों के गिरने और सम्पति के नुक्सान की जानकारी भी लगातार मिल रही है।

आकाशीय बिजली/तड़ित भारत में चिंता का विषय रही है, जिससे प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में मौतें होती हैं। आकाशीय बिजली एक शक्तिशाली करंट है। इसके गिरने के समय लोगों को खुद को बचाने का क्षण भर का समय भी नहीं मिल पाता। मौसम विभाग के अनुसार, बिजली का गिरना या आघात एक बड़ा विद्युतीय प्रवाह है जो तूफान के दौरान हवा की गति के बढ़ने और कम होने के कारण उत्पन्न होता है। इस दौरान, पृथ्वी की बाहरी परत पर सकारात्मक चार्ज होता है क्योंकि विपरीत चार्ज आकर्षित करता है, आंधी के बादलों में मौजूद नकारात्मक चार्ज पृथ्वी की बाहरी परत पर मौजूद सकारात्मक चार्ज से जुड़ना चाहता है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आकाशीय बिजली हर सेकंड में 40 बार और एक दिन में लगभग 30 लाख बार गिरती है। हालांकि हर बार यह ज़मीन से नहीं टकराती। छत्तीसगढ़ सरकार की वेबसाइट के अनुसार, आकाशीय बिजली में 10 करोड़ वोल्ट के साथ 10,000 एम्पियर का करंट होता है, जबकि णड की वेबसाइट ुशरींहशी.सें के अनुसार, आकाशीय बिजली में करीब 30 करोड़ वोल्ट और 30,000 एम्पियर की ताकत होती है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बारिश के साथ तेज चमकती रोशनी और उसके बाद कड़कड़ाती आवाज सुनाई देती है। आसमान में चमकी यह बिजली तेजी से पृथ्वी पर गिर कर इंसानों की मौत का कारण भी बनती है। यह भी बताया जाता है तेज़ गर्मी और नमी के मिलन से बिजली वाले विशेष तरह के बादल गरज़ने के साथ तूफान का रूप ले लेते हैं। इस प्रक्रिया को थंडर स्टॉर्म कहा जाता हैं। थंडर स्टॉर्म मूल रूप से एक उग्र मौसम की स्थिति है, जो बिजली के साथ आती है और एक प्रकार की तेज ध्वनि भी होती है जिसको गड़गड़ाहट के रूप में जाना जाता है। थंडरस्टॉर्म के दौरान, उत्पन्न ध्वनि या गड़गड़ाहट सुनने से पहले हम बिजली को देखते हैं क्योंकि प्रकाश ध्वनि की तुलना में तेजी से गति करता है। बादल के अंदर गर्म और नम हवा ऊपर की ओर बढ़ती है और ठंडा होकर क्यूम्यलोनिम्बस बादल बनाती है जो आंधी या थंडरस्टॉर्म का कारण बनता है।

आठ-दस किलोमीटर ऊंचे ऐसे बादलों के लोअर में निगेटिव और अपर में पॉजिटिव चार्ज ज्यादा होता है। दोनों के बीच डिफरेंस कम होने पर तेजी से होने वाला डिस्चार्ज बिजली के रूप में सामने आता है। आमतौर पर एक थंडर स्टॉर्म लगभग तीस मिनट तक रहता है और इसका व्यास 15 मील तक हो सकता है। हर थंडर स्टॉर्म में आकाशीय बिजली होती है। एक्सपर्ट के अनुसार आकाशीय बिजली का तापमान सूर्य के ऊपरी सतह से भी ज्यादा होता है। इसकी क्षमता 300 किलोवॉट अर्थात 12.5 करोड़ वॉट से ज्यादा चार्ज की होती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दुनिया में हर साल बिजली गिरने की करीब 2 लाख 40 हज़ार घटनाएं दर्ज होती हैं। इन घटनाओं में कितनी जानें जाती हैं, इसे लेकर कई तरह के अध्ययन अलग आंकड़े बताते हैं। एक स्टडी की मानें तो दुनिया में 24 हज़ार लोग हर साल बिजली गिरने से मारे जाते हैं। भारत में आकाशीय बिजली गिरने से मौत के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, हर साल 2 से 3 हजार लोगों की मौत आकाशीय बिजली की चपेट में आने के कारण हो जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

तपती गर्मी में पंखे और कूलर बांटने के लिए तापसी पन्नू ने हेमकुंट फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू ने भीषण गर्मी से जूझ रहे वंचित परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से हेमकुंट फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया। हेमकुंट फाउंडेशन ने जरूरतमंद लोगों को पंखे और वाटर कूलर बांटे। इस पहल का उद्देश्य झुग्गी-झोपड़ियों और कम आय वाले इलाकों पर ध्यान केंद्रित करना था, जहां लोगों को बुनियादी कूलिंग उपकरणों की कमी के कारण चिलचिलाती गर्मी से निपटने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। तापसी पन्नू ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, हम अक्सर पंखे या कूलर जैसी बुनियादी सुविधाओं को हल्के में ले लेते हैं, लेकिन बहुत से लोगों के लिए, खासकर इस असहनीय गर्मी में, हल्की हवा भी आशीर्वाद की तरह महसूस होती है। इस पहल का हिस्सा बनकर मैं बहुत प्रभावित हुई। यह केवल देने के बारे में नहीं है। यह लोगों के साथ खड़े होने, उनके दर्द को समझने और उन्हें कम करने के लिए जो कुछ भी हम कर सकते हैं, करने के बारे में है। हेमकुंट फाउंडेशन के निदेशक हरतीरथ सिंह ने कहा, जब तापमान 40 डिग्री को पार कर जाता है, तो झुग्गी-झोपड़ियों में रहना लगभग असंभव हो जाता है, जहाँ बमुश्किल कोई वेंटिलेशन या छाया होती है। लोग बिना पंखे या कूलर के चुपचाप कष्ट सहते हैं, जिससे दिन भर उनका गुजारा हो सके। इसी बात ने हमें यह पहल शुरू करने के लिए प्रेरित किया। फाउंडेशन आने वाले हफ्तों में गर्मी से प्रभावित क्षेत्रों में इसी तरह के अभियान जारी रखने की योजना बना रहा है।

कैंसर आपके मस्तिष्क पर कब्जा कर आपकी प्रेरणा शक्ति को पस्त कर देता है

सेंट लुइस। कैंसर के अंतिम चरण का एक क्रूर परिणाम यह है कि कई मरीज गहरी उदासीनता में डूब जाते हैं, क्योंकि वे उन गतिविधियों में भी रुचि खो देते हैं जिन्हें वे कभी पसंद करते थे। यह लक्षण दुर्बलता नामक सिंड्रोम का हिस्सा है, जो अंतिम चरण के लगभग 80 प्रतिशत कैंसर रोगियों को प्रभावित करता है। इससे मांसपेशियां बड़े पैमाने पर खत्म होने लगती हैं और वजन घटने लगता है, जिससे पर्याप्त पोषण के बावजूद मरीज की हड्डियां पतली हो जाती हैं। होंसला पस्त होने से न केवल रोगियों की पीड़ा बढ़ती है, बल्कि उन्हें परिवार और दोस्तों से भी अलग कर देती है। चूंकि, रोगी को कठिन उपचार पद्धतियों को अपनाने में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है इसलिए इससे परिवारों पर भी दबाव पड़ता है और उपचार जटिल हो जाता है।

डॉक्टर आमतौर पर यह मानते हैं कि जब कैंसर के अंतिम चरण के मरीज जीवन से विमुख हो जाते हैं, तो यह शारीरिक गिरावट के प्रति एक अपरिहार्य मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया होती है। लेकिन क्या होगा यदि उदासीनता सिर्फ शारीरिक गिरावट का परिणाम न होकर रोग का ही एक अभिन्न अंग हो? 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित हमारे निष्कर्ष, दशकों पुरानी मान्यताओं को चुनौती देते हैं और सुझाव देते हैं कि उस चीज को पुनः प्राप्त करना संभव हो सकता है जिसे खोना कई कैंसर रोगियों के लिए सबसे विनाशकारी बात है – जीवन के प्रति उनकी इच्छाशक्ति। कैंसर से उत्पन्न कमजोरी में उदासीनता की पहेली को सुलझाने के लिए, हमें शरीर में सूजन के सटीक मार्ग का पता लगाने की आवश्यकता थी, तथा रोग के बढ़ने के दौरान जीवित मस्तिष्क के अंदर झांकने की आवश्यकता थी – जो कि लोगों में लगभग असंभव है।

हालांकि, तंत्रिका वैज्ञानिकों के पास उन्नत तकनीक है जो चूहों में इसे संभव बनाती है।

आधुनिक तंत्रिका विज्ञान हमें ऐसे शक्तिशाली उपकरणों से लैस करता है, जिनसे हम यह पता लगा सकते हैं कि बीमारी चूहों में मस्तिष्क की गतिविधि को कैसे बदलती है। वैज्ञानिक कोशिकीय स्तर पर सम्पूर्ण मस्तिष्क का मानचित्रण कर सकते हैं, व्यवहार के दौरान तंत्रिका गतिविधि पर नजर रख सकते हैं, तथा न्यूरॉन्स को सटीकता से चालू या बंद कर सकते हैं। हमने कैंसर के चूहा मॉडल में इन तंत्रिका विज्ञान उपकरणों का उपयोग मस्तिष्क और प्रेरणा पर रोग के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए किया।

हमने मस्तिष्क के एक छोटे से हिस्से की पहचान की जिसे एरिया पोस्ट्रेमा कहते हैं जो मस्तिष्क के सूजन डिटेक्टर के रूप में कार्य करता है। जैसे-जैसे ट्यूमर बढ़ता है, यह रक्तप्रवाह में सूजन को बढ़ावा देने वाले अणु साइटोकाइन्स को छोड़ता है।

पोस्ट्रेमा क्षेत्र में विशिष्ट रक्त-मस्तिष्क अवरोध का अभाव होता है जो विषाक्त पदार्थों, रोगाणुओं और अन्य अणुओं को शरीर से बाहर रखता है, जिससे यह परिसंचारी सूजन संबंधी संकेतों का सीधे नमूना ले पाता है। जब पोस्ट्रेमा क्षेत्र में सूजन वाले अणुओं में वृद्धि का पता चलता है, तो यह मस्तिष्क के कई क्षेत्रों में तंत्रिका प्रपात को सक्रिय कर देता है।

साजना दिवस

अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में बैसाखी और खालसा साजना दिवस मनाने के लिए सिख भक्तों के एकत्र होने पर स्वर्ण मंदिर का दृश्य।

'पुरातन' मेरी आखिरी बांग्ला फिल्म हो सकती है: शर्मिला टैगोर

कोलकाता/भाषा। दिग्गज अभिनेत्री और पद्म भूषण से सम्मानित शर्मिला टैगोर ने कहा है कि हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'पुरातन' संभवतः उनकी आखिरी बांग्ला फिल्म हो सकती है। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी कारणों का हवाला देते हुए कहा कि अब लंबे शूट में हिस्सा लेना उनके लिए थोड़ा कठिन हो गया है। उन्होंने शुक्रवार रात एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''देखते हैं आगे क्या होता है। मुझे बांग्ला फिल्मों में काम करना बेहद पसंद है। कोलकाता से मुझे बहुत लगाव है। लेकिन अब मेरा स्वास्थ्य पहले जैसी नहीं है।'' उन्होंने वर्ष 2023 में 'पुरातन' की शूटिंग को याद करते हुए कहा, ''हमने गंगा किनारे एक 'रिजॉर्ट' में 14-15 दिनों तक शूट किया था और वह बहुत अच्छा अनुभव रहा।

शर्मिला टैगोर ने कहा, अपनी मातृभाषा बांग्ला में संवाद बोलने का जो आत्मीय एहसास होता है, वह अनूठा है। आप तुरंत संवाद में सुधार कर सकते हैं, सहजता से अपने भाव व्यक्त कर सकते हैं। 'पुरातन' में वह एक बुजुर्ग मां की भूमिका निभा रही हैं। वह एक कॉरपोरेट दुनिया में काम करने वाली आधुनिक महिला (ऋतुपर्णा सेनगुप्ता द्वारा अभिनीत) की मां हैं।

इस किरदार के बारे में उन्होंने कहा, ''ऐसे किरदार हमेशा नहीं मिलते। हर फिल्म मेरे लिए एक चुनौती होती है। मैं हर किरदार को उद्देश्यपूर्ण तरीके से निभाना चाहती हूं।'' निर्देशक सुमन घोष की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, उन्होंने हर फ्रेम में मुझे सुंदर दिखाने की पूरी कोशिश की। उन्होंने एक बहुत ही खूबसूरत कहानी गढ़ी है।

शर्मिला टैगोर ने वर्ष 1959 में सत्यजीत रे की 'अपुर संसार' से बतौर अभिनेत्री अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'देवी' और 'अरण्येर दिनरात्रि' जैसी प्रसिद्ध फिल्मों में भी काम किया। कोलकाता के संदर्भ में उन्होंने कहा, यह शहर इंसानियत और समावेशिता का प्रतीक है। शूटिंग के दौरान टीटागढ़ जाते समय मैंने सड़कों पर 'कैरम' खेलते, हंसते-खेलते लोगों को देखा।

भारत को परमाणु ऊर्जा पर नए सिरे से काम करने की जरूरत : क्रिस सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क। होलटेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. क्रिस सिंह ने कहा है कि भारत को 'परमाणु ऊर्जा पर नए सिरे से काम करने' की जरूरत है और अमेरिका परमाणु अवसंरचना विकसित करने में देश की मदद करने में रुचि रखता है, क्योंकि दोनों देशों की इस क्षेत्र में काफी दिलचस्पी है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस दिशा में चीजें आगे बढ़ेंगी। सिंह ने कैमडेन, न्यूजर्सी में कृष्णा पी सिंह प्रौद्योगिकी परिसर में एक विशेष साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, भारत और अमेरिका की स्वच्छ ऊर्जा में रणनीतिक रुचि है... परमाणु ऊर्जा को एकता का सूत्रधार होना चाहिए और भारत को स्वाभाविक रूप से इसमें अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। इसके लिए, भारत के पास निर्यात योग्य प्रौद्योगिकी होनी चाहिए।

होलटेक इंटरनेशनल एक विविध ऊर्जा प्रौद्योगिकी कंपनी है, जिसे कार्बन उत्सर्जन मुक्त बिजली उत्पादन, विशेष रूप से वाणिज्यिक परमाणु और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी प्रौद्योगिकी नवोन्मेषक के रूप में मान्यता प्राप्त है।

पिछले साल सितंबर में, सिंह ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र के लिए प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान यहां प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने भारत में विनिर्माण का विस्तार करने की होलटेक की योजना और असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की थी।

कंपनी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने भारत सरकार की सहमति से होलटेक इंटरनेशनल को भारत में कामकाज के लिए कंपनी के प्रमुख छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर एसएमआर-300 को बेचने के लिए विशिष्ट अधिकार प्रदान किया है।

प्रदर्शन

अमृतसर में जलियांवाला बाग हत्याकांड की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए छात्र प्रदर्शन करते हुए।

नुसरत भरूचा, सोहा अली खान ने 'डर' के बारे में खुलकर की बात

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म अभिनेत्री नुसरत भरूचा और सोहा अली खान अपनी आगामी हॉरर कॉमेडी 'छोरी 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। इन दोनों अभिनेत्रियों ने अपने गहरे डर के बारे में खुलकर बात की है। 'रंग दे बसंती' अभिनेत्री ने आईएएनएस को बताया, मेरा सबसे बड़ा डर सिर्फ अप्राकृतिक, असामयिक मृत्यु है क्योंकि मैं वास्तव में जीवित रहने का आनंद लेती हूं। मैं अच्छा समय बिता रही हूं और मैं ऐसे कई लोगों से प्यार करती हूं जो मेरे बहुत करीब हैं। मैं उन्हें खोना नहीं चाहती, और मैं नहीं चाहती कि वे मुझे खो दें। मैंने उन लोगों को खो दिया है जो मेरे करीब हैं, जिन्हें मैं बहुत प्यार करती हूं। इसलिए, मुझे पता है कि यह जीवन का एक हिस्सा है, और यह ऐसी चीज है जिससे मुझे डर लगता है। नुसरत ने अपना एक कमजोर पक्ष साझा करते हुए बताया कि वह अपनी मृत्यु के विचार से शांति महसूस करती हैं, लेकिन अपने किसी करीबी को खोने के विचार से डरती हैं। नुसरत ने कहा, मुझे लगता है कि अगर मुझे अचानक मरना पड़े, कल या परसों, एक महीने बाद, मैं अभी भी इस तथ्य को स्वीकार करूंगी कि मैंने एक अच्छा जीवन जिया। मैंने इसका आनंद लिया। कोई दिक्कत नहीं।

छोटी-छोटी चीजें मायने रखती हैं : कृतिका कामरा

नई दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेत्री कृतिका कामरा खुद को यर्थाथवादी मानती हैं। एक्ट्रेस के अनुसार वो छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढ लेती हैं। कृतिका की जिंदगी पर कोई फिल्म बने, तो उसका शीर्षक क्या होगा? इस सवाल पर उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, थोड़ा है, थोड़े की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह मेरी जिंदगी की कहानी है। मैं यथार्थवादी हूं और मेरे लिए खुशी छोटी-छोटी चीजों में है। मेरे पास जो कुछ भी है, मैं उसके लिए आभारी हूं। उन्होंने आगे कहा, जीवन एक यात्रा है और अब तक की मेरी यात्रा बहुत दिलचस्प रही है। कृतिका को शो 'कितनी मोहब्बत है' में आरोही शर्मा का किरदार निभाकर सुर्खियां मिलीं। इसके बाद उन्हें 'कुछ तो लोग कहेंगे', 'रिपोर्ट्स' और 'प्रेम या पहेली - चंद्रकांता' जैसे शो में देखा गया। इसके अलावा, अभिनेत्री ने डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 7' में भी भाग लिया है और 'तांडव' और 'बंबई मेरी जान' जैसी श्रृंखलाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। 35 वर्षीय अभिनेत्री ने 2018 में रिलीज हुई 'मित्रों' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। उनके पास एक और प्रोजेक्ट है। वह प्रतीक गांधी के साथ 'फॉर योर आईज ओनली' में भी हैं।

इस बारे में बात करते हुए कि उन्हें कौन सा किरदार निभाना मुश्किल लगता है- खुद से बिल्कुल अलग किरदार या फिर खुद से मिलता-जुलता किरदार। इस पर कृतिका ने आईएएनएस को बताया, एक आदर्श किरदार वह होता है जिसमें ऐसे गुण और भावनाएं हों जिससे आप कनेक्ट कर सकें, लेकिन उस किरदार का जीवन आपसे (एक्टर) बिल्कुल अलग हो। मैं ऐसे किरदारों की तलाश करती हूं जो मुझे ऐसी परिस्थितियों की कल्पना करने के लिए मजबूर करें जिनमें मैं कभी नहीं रही। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी चीजें जो मैंने कभी नहीं की या महसूस नहीं कीं। लेकिन उस स्थिति में होना तभी संभव है जब आपकी उस चरित्र से कुछ समानता हो और सभी अच्छे से लिखे गए पात्रों में यह होता है। बस आपको उसका इतिहास, उससे जुड़ी भावना या उस किरदार के सिद्धांत पर काम करना होता है। बाकी आप अभिनव यात्रा में अनुभव के साथ सीख लेते हैं। अभिनेत्री को हाल ही में ग्यारह ग्यारह सीरीज में देखा गया था, जो कोरियाई नाटक सिग्नल का रूपांतरण है। उनका अगला प्रोजेक्ट मटका किंग है, जिसके निर्माता राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नागराज मंजुले हैं। 'मटका किंग' मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की जटिल दुनिया को दर्शाता है। इस सीरीज में विजय वर्मा मटका किंग की मुख्य भूमिका में हैं।

'लॉगआउट' में बाबिल के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा : रसिका दुग्गल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रसिका दुग्गल बहुप्रतीक्षित ड्रामा 'लॉगआउट' में दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान के साथ पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। रसिका ने बताया कि बाबिल के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। रसिका ने बताया, बाबिल के साथ काम करने का अनुभव खास रहा। वह दिलचस्प अभिनेता हैं और उन्हें काम में अपना सर्वश्रेष्ठ देते देखना दिल को छू लेने वाला था। उन्होंने कहा, मैं पहली बार बाबिल से तब मिली थी, जब मैंने उनके पिता इरफान के साथ 'किस्सा' में काम किया था। अपने करियर की शुरुआत में इरफान के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी और बाबिल के करियर की शुरुआत

में उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास है। यह एक चक्र की तरह लगा। अभिनेत्री ने 'लॉगआउट' की टीम के बारे में कहा, मैंने पहले भी निर्देशक अमित गोलानी, लेखक बिस्वपति सरकार, क्रिएटिव प्रोड्यूसर समीर सक्सेना के साथ काम किया है। वे बेहद प्रतिभाशाली हैं। मैं 'किस्सा' के माध्यम से उस जुड़ाव को फिर से अनुभव करने के लिए उत्साहित हूं।

अमित गोलानी के निर्देशन में बनी 'लॉगआउट' की कहानी को बिस्वपति सरकार ने लिखा है। बाबिल और रसिका दुग्गल के साथ इस प्रोजेक्ट में निमिशा नायर और गंधर्व दीवान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पोशम पा पिक्चर्स के सहयोग से डिजिटल 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 'लॉगआउट' का निर्माण किया है। यह भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न 2024 और रिवर टू रिवर फ्लोरेंस भारतीय फिल्म महोत्सव 2024 के साथ ही अन्य कई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जा चुकी है, जिसमें इसे खूब सराहना मिली। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया था। 'लॉगआउट' का प्रीमियर 18 अप्रैल को जी5 पर होगा।

भावात्मक अभिनय से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया बलराज साहनी ने

मुंबई/एजेन्सी

पुण्यतिथि के अवसर पर विशेष

फिल्म जगत में बलराज साहनी को एक से अभिनेता के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने अपने संजीदा और भावात्मक अभिनय से लगभग चार दशक तक सिने प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया। एक मई 1913 को पाकिस्तान के रावलपिंडी में एक मध्यम वर्गीय व्यवसायी परिवार में जन्में बलराज साहनी का बचपन से ही झुकाव अपने पिता के पेशे की ओर न होकर अभिनय की ओर था। उनका मूल नाम युधिष्ठर साहनी था। लाहौर के मशहूर गवर्नमेंट कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य में स्नाकोत्तर की शिक्षा पूरी करने के बाद बलराज साहनी रावलपिंडी लौट गए और पिता के व्यापार में उनका हाथ बटाने लगे। वर्ष 1930 अंत मे बलराज साहनी और उनकी पत्नी दमयंती रावलपिंडी को छोड़ गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर के शांति निकेतन पहुंचें, जहां साहनी अंग्रेजी के शिक्षक के रूप मे नियुक्त हुए। वर्ष 1938 में साहनी ने महात्मा गांधी के साथ भी काम किया। इसके एक वर्ष के बाद महात्मा गांधी के सहयोग से बलराज साहनी को बीबीसी के हिन्दी के उदघोषक के रूप में इग्लैंड में नियुक्त किया गया।

लगभग पांच वर्ष के इग्लैंड प्रवास के बाद वह 1943 में भारत लौट आए। इसके बाद बलराज साहनी अपने बचपन के शौक को पूरा करने के लिए इंडियन प्रोग्रेसिव थियेटर एसोसिएशन (इप्टा) में शामिल हो गए। इप्टा की निर्मित फिल्म धरती के लाल में उन्हें बतौर अभिनेता काम करने का मौका मिला। उन्हें अपने क्रांतिकारी और कम्युनिस्ट विचार के कारण जेल भी जाना पड़ा। उन दिनों वह फिल्म हलचल की शूटिंग में व्यस्त थे और निर्माता के आग्रह पर विशेष व्यवस्था के तहत फिल्म की शूटिंग किया करते थे। शूटिंग खत्म होने के बाद वापस जेल चले जाते थे। वर्ष 1951 में फिल्म हमलोग के जरिए बलराज साहनी बतौर अभिनेता अपनी पहचान बनाने में सफल हुये। वर्ष 1953 में आई फिल्म दो बीघा जमीन साहनी के करियर मे अहम पड़ाव साबित हुई। फिल्म दो बीघा जमीन को आज भी भारतीय फिल्म इतिहास की सर्वश्रेष्ठ कलात्मक फिल्मों में शुमार किया जाता है। इस फिल्म को अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी काफी सराहा गया तथा कांस फिल्म महोत्सव के दौरान इसे अंतराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। वर्ष 1961 में प्रदर्शित फिल्म काबुलीवाला में साहनी ने अपने संजीदा अभिनय से दर्शको को भावविभोर कि या। इस किरदार के लिए वह मुंबई मे एक काबुलीवाले के घर में लगभग एक महीना तक रहे।

अभिनय में आयी एकरूपता से बचने और स्वंय को चरित्र अभिनेता के रूप मे भी स्थापित करने के लिये बलराज साहनी ने खुद को विभिन्न भूमिकाओं में पेश किया। इनमें हकीकत,वक्त,दो रास्ते,एक फूल दो माली,मेरे हमसफर जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल है। वर्ष 1965 मे प्रदर्शित फिल्म ..वक्त.. में बलराज साहनी के अभिनय के नये आयाम दर्शको को देखने को मिले । इस फिल्म में उन्होंने लालाकेदार नाथ के किरदार को जीवंत कर दिया । इस फिल्म में उनपर फिल्माया गाना ..ऐ मेरी जोहरा जबीं तुझे मालूम नही ..सिने दर्शक आज भी नही भूल पाये है। निर्देशक एम.एस.सथ्यू की वर्ष 1973 मे प्रदर्शित ..गर्म हवा..बलराज साहनी की मौत से पहले उनकी महान फिल्मो में स सबसे अधिक सफल फिल्म थी । उत्तर भारत के मुसलमानो के पाकिस्तान पलायन की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में बलराज साहनी केन्द्रीय भूमिका में रहे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 14-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आई हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं। यह कलयुग की करुण दर्दनाक कथा है।

ज्ञान और विज्ञान के सामंजस्य से सब रोगमुक्त हों, का उद्देश्य लेकर कार्य कर रही है हरिओम स्माइल्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हरि ओम स्माइल द्वारा 'क्योर इज श्योर' का आयोजन चेटपेट स्थित चिन्मया हेरिटेज सेंटर के तपोवन हॉल सभागार में रविवार को किया गया। 'ना कोई तन से अपंग हो, ना कोई मन से अपंग हो', इसी उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में आध्यात्मिक उपचारक एवं वक्ता मोनिका सिंघल ने इस मौके पर अपने संबोधन में मानव जीवन में शांति लाने के लिए विभिन्न उपायों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे हवन के जरिए मानव जीवन को स्वस्थ रखने के साथ पर्यावरण की सुरक्षा की जा सकती है।

सिंघल ने ताली बजाने के लाभों के साथ-साथ ध्यान सत्र के जरिए मानव जीवन में शांति एवं बेहतर स्वास्थ्य के बारे में बताया। उन्होंने इस मौके पर युवाओं को जागरूक किया एवं उनके जीवन में डिप्रेशन एवं चिंता को दूर करने के उपाय बताए। घर परिवार में शांति एवं खुशहाली कैसे आए इस बारे में उन्होंने विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा पहले कुटुम्ब में रहते थे तो सुरक्षित रहते थे एकल परिवारों में समस्याएं बढ़ रही है । सफलता की परिभाषा बताते हुए कहा कि जब सिगनेचर आटोग्राफ बन जाएं तो समझे सफल हैं। इसके लिए संकल्प की जरूरत है क्योंकि संकल्प में बड़ी शक्ति है। गुरु की महत्ता को बताते हुए उन्होंने कहा कि गुरूर को गुरु को अर्पित करें।

उन्होंने कहा कि इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति खाली हाथ आता है और खाली हाथ ही जाता है तो फिर जीवन में इतना तनाव और चिंता किस बात का है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन ईश्वर की दी हुई एक अप्रतिम कृति है इसे व्यर्थ नष्ट नहीं करना चाहिए। हमें जीवन को सकारात्मक तरीके से जीने का प्रयास करना चाहिए उन्होंने कहा कि आधुनिकता और भौतिकवाद के कुचक्र में फंसकर हम अपना कीमती जीवन स्वयं बर्बाद कर रहे हैं अब समय आ गया है कि हम अपनी पुरातन संस्कृतियों की ओर लौटे अपने ऋषि परंपराओं का पालन करें और जीवन को रोग मुक्त कर खुशहाल जीवन जिए।

उन्होंने कहा कि प्रकृति से हमें अमूल्य वस्तुएं प्राप्त हैं परंतु हम अज्ञानता वश उन वस्तुओं का सदुपयोग नहीं कर रहे हैं जिससे जीवन में भौतिक वस्तुओं की कमी न होने के बावजूद सुख शांति जीवन से गायब है उन्होंने कहा कि हमें अपना सर्वश्रेष्ठ करते हुए मानवता के लिए कार्य करना चाहिए उन्होंने कहा कि कर भला तो हो भला के सिद्धांत को हमे आत्मसात करना चाहिए।

उन्होंने हवन एवं वैदिक मंत्रों के महत्व को बताते हुए कहा कि गायत्री मंत्र का जाप करने से एक लाख दस हजार से अधिक तरंगों का संचार होता है उन्होंने बताया कि जहां पर इसका जप होता है वहां अपराध की दर बहुत कम हो जाती है हवन करने से आसपास का वातावरण शुद्ध होया है जिससे शरीर के लिए हानिकारक कीटाणुओं का नाश होता है हवाएं शुद्ध होती हैं वातावरण और मन शांत होता है सकारात्मक ऊर्जा का जीवन में संचार होता है । उन्होंने कहा की मृत्यु के बाद स्वर्ग की इच्छा नहीं करनी चाहिए वरन अपने जीवित रहते ही घर को स्वर्ग बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ।

कार्यक्रम में अग्रवाल विद्यालय के सचिव मुरारीलाल सौंथलिया तथा जीतो लेडीज विंग की सुरभि जैन ने मोनिका सिंघल का स्वागत किया और उनके इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में हरिओम स्माइल्स की बॉबी सांघी, कल्पना भालोटिया सुरेश कुमार सांघी, अनिल अग्रवाल, सुनील सर्राफ, विजय शर्मा, हरीश कुमार सांघी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

चन्द्रप्रभु कॉलेज में आशीर्वाद दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज द्वारा 12 अप्रैल को भगवान महावीर ऑडिटोरियम में बैच 2022-2025 के अंतिम वर्षों के लिए अपना पांचवां आशीर्वाद दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज प्रार्थना गीत और तमीज़ थाई वाज़्थु से हुई।

एससीपी जैन कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. एन. सुजाता ने सभा का स्वागत किया और निवर्तमान छात्रों के बैच को विचारोत्तेजक जानकारी दी। उन्होंने छात्रों के बारे में अपने विचार भी व्यक्त किए और दिखाया कि छात्र संस्थान के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं और संस्थान को इस बात पर कितना गर्व है कि वे सभी ऐसे अवसर पर एक ही स्थान पर एकत्रित हुए हैं।

कॉलेज की सभी शाखाओं के अंतिम वर्ष के छात्रों ने अपने विचार और अपने तीन साल के प्रवास के अनुभव व्यक्त किए, जिससे सभागार में बहुत अधिक सकारात्मकता छा गई और तीन साल की यादें ताज़ा हो गईं। इससे कॉलेज में उनके सुखद सफ़र का पता चला और उन्होंने संस्थान से कितना कुछ प्राप्त किया। छात्रों ने संस्थान, प्रबंधन, प्रिंसिपल, अपने संकायों और विभाग के प्रति अपना आभार भी व्यक्त किया। इसके बाद छात्रों को उनके विभागाध्यक्षों द्वारा आशीर्वाद दिया गया। प्रत्येक छात्र उनका आशीर्वाद लेने के लिए आगे आया।

अध्यक्ष नेमीचंद कटारिया ने विदा हो रहे विद्यार्थियों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए तथा बताया कि उन्हें अपने विद्यार्थियों पर कितना गर्व है। एससीपी जैन कॉलेज के सचिव ललित कुमार ओ जैन ने भी विद्यार्थियों को उनके भविष्य के लिए आशीर्वाद देते हुए सलाह दी। तत्पश्चात कॉलेज के गणमान्यों, अध्यक्ष, सचिव तथा प्राचार्य डॉ. एन. सुजाता ने विदा हो रहे विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह, मिठाई तथा कलम भेंट की। प्रत्येक विद्यार्थी गणमान्यों से आशीर्वाद लेने मंच पर आया।

आशीर्वाद तथा स्मृति चिन्ह भेंट करने के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लिए मंच दिया गया। विभिन्न विभागों के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने फ्यूजन डांस, गायन, वादन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया, जिसने सभागार में उपस्थित दर्शकों को एक बार फिर रोमांचित कर दिया।

इस प्रकार कार्यक्रम का समापन कम्प्यूटर एप्लीकेशन के विभागाध्यक्षए. एन. थिरुनेल्लई के धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष एम. विजयलक्ष्मी ने किया।

तमिल नववर्ष और महावीर जयंती पर नए वस्त्र का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थान कॉस्मो क्लब फाउंडेशन ने तमिल नववर्ष और महावीर जयंती के पावन अवसर पर रविवार को चेन्नई के माउंट रोड स्थित गीतम बैंक्वेट्स में एक भव्य सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर न्यू क्लोथ्स स्कीम (एनसीएस) के अंतर्गत 60 जरूरतमंद संगठनों को 4,000 से अधिक नए वस्त्रों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वी. नंदकुमार, आईआरएस, आयकर आयुक्त के रूप में शामिल हुए। उन्होंने फाउंडेशन की सामाजिक सेवा में लगातार दी जा रही प्रतिबद्धता की सराहना की। अमित जैन, एमएचजे ग्रुप; जो इस सेवा कार्य के मुख्य दाता रहे, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने इस कार्य के प्रति अपना भावपूर्ण समर्थन प्रकट किया। कार्यक्रम की शुरुआत फेलोशिप ब्रेकफास्ट के साथ हुई, जिसके पश्चात मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मानद ट्रस्टी प्रवीण टाटिया और सुभाष रांका की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। यह सेवा कार्य फाउंडेशन की 32 वर्षों की सामाजिक सेवा और वंचित वर्गों के उत्थान हेतु दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

अमृतवाणी सत्संग मंडल में हनुमान प्राकटोत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां परमधाम अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार के सान्निध्य में श्री स्वामी सत्यानंद बाबाजी के प्रकट उत्सव को बड़े ही धूमधाम के साथ हमारे सिंधी धर्मशाला के प्रांगण में मनाया गया। उनका प्राकटोत्सव 12 अप्रैल को था। हम उनका उत्सव 13 अप्रैल को हमारे मंडल में बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। इसमें सबसे पहले गणेश वंदना गुरु वंदना मां सरस्वती वंदना के बाद गुरु भजन तथा सामूहिक रूप से सभी भक्तों ने अमृतवाणी का पाठ किया गया। इस अवसर पर सभी भक्तों को मिठाई बांटी गई। तथा बनारस से ओमप्रकाश राठी द्वारा सभी भक्तों को बधाई बांटी गई और सभी भक्तों को इस शुभ अवसर पर ठंडाई बाटी गई। आज श्री रामजी और श्री गुरुजी का सुन्दर श्रृंगार मधु सोनी, ममता शर्मा फूलों की सजावट द्वारा किया गया।

आदरणीय दिव्य गुरु, राम-नाम के दूत , नाम-दीक्षा के प्रदाता और भगवान राम के उपासक को उनके भक्त प्रेमपूर्वक स्वामीजी महाराज के रूप में याद करते हैं। वह 'श्री राम शरणम्' के संस्थापक हैं और अमृतवाणी के रचयिता है। इनकी अमृतवाणी जन-जन तक पहुंच कर सभी को अमृतपान कर रही है। उनके ही आशीर्वाद से ही हमारा परमधाम अमृतवाणी चांद सत्संग मंडल परिवार चेन्नई की स्थापना सन 1997 में हुई। वह उन दुर्लभ देवपुरुषों में से एक थे जिन्होंने बिना किसी गुरु के भौतिक रूप में निराकार की पूजा करते हुए प्रत्यक्ष ईश्वर को प्राप्त किया। उनका मार्ग (आध्यात्मिक ज्ञान का) बहुत कठिन था, लेकिन उन्होंने दूसरों के लिए मार्ग आसान बना दिया। यह जानकारी मंडल के सदस्य श्री अरविंद कुमार दाधीच ने दी है।

डॉ. दिलीप धींग का अभिनंदन करते पंजाब के राज्यपाल कटारिया, न्यासीगण एवं अतिथि।

सुंदरसिंह भंडारी न्यास द्वारा डॉ. दिलीप धींग का अभिनंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सुंदरसिंह भंडारी पारमार्थिक न्यास द्वारा 12 अप्रैल को कृषि महाविद्यालय, उदयपुर में आयोजित भव्य समारोह में साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग का उनकी विशिष्ट साहित्यिक और अकादमिक सेवाओं के लिए अभिनन्दन किया गया। गुजरात व बिहार के पूर्व राज्यपाल सुन्दरसिंह भंडारी की स्मृति में उनकी जयंती पर यह वार्षिक अभिनन्दन राजस्थान की उन विभूतियों का किया जाता है, जो राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रही है।

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने बतौर मुख्य अतिथि डॉ. दिलीप धींग को शॉल, उपरणा, मेवाड़ी पाग, सम्मान राशि और अभिनंदन पत्र प्रदान करके सम्मानित किया। राज्यपाल ने श्रेष्ठ चयन के लिए न्यास की चयन समिति को धन्यवाद दिया। आलोक पगारिया ने डॉ. धींग को प्रदत्त अभिनंदन पत्र का वाचन किया।

कोषाध्यक्ष कुन्तीलाल जैन ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय प्राकृत केंद्र के पूर्व निदेशक डॉ. धींग को शास्त्रीय भाषा प्राकृत, हिंदी साहित्य और जैन दर्शन में उनकी सुदीर्घ सेवाओं के लिए यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। महाराणा प्रताप विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं न्यास के महामंत्री डॉ. उमाशंकर शर्मा ने न्यास की गतिविधियों से अवगत कराया। अध्यक्ष और उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने स्वागत भाषण दिया।

इस अवसर पर सांसद मन्नालाल रावत, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर, विधायक फूलसिंह मीणा, कोटा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मनोहरलाल कालरा, उप-महापौर पारस सिंघवी, पूर्व महापौर रजनी डांगी, पूर्व जिला-प्रमुख शांतिलाल मेघवाल, डॉ. सुरेन्द्रसिंह पोखरणा, डॉ. मदन कोठारी, सुरेशचंद्र धींग (बंबोरा), एडवोकेट अतुल शाह धींग सहित संभाग व प्रदेश के बड़ी संख्या में गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे।

'एक बूंद-एक सागर' जल संरक्षण पर कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। स्थानीय तेरापंथ भवन में जल संरक्षण कार्यशाला का प्रारंभ सीमंदर स्वामी मंगलाचरण द्वारा किया गया। अध्यक्ष लता कोठारी ने सभी का स्वागत किया व नारी लोक की वंचना की। कार्यशाला की मुख्य वक्ता चंदादेवी कोठारी ने बताया कि जीवन में एकेंद्रीय से लेकर पंचेंद्रीय सभी जीवो के लिए पानी कितना आवश्यक है। बूंद से तालाब, तालाब से नदी, नदी से सागर बनता है आवश्यक है कि हम सब मिलकर त्याग के साथ जल का उपयोग जागरुकता से करेंगे तो जरूर हम भविष्य में होनेवाली जल की समस्या में कुछ हद तक सहायता कर सकते है। जल संरक्षण पर छोटे-छोटे टिप्स के माध्यम से बहुत ही उपयोगी तथ्यों के साथ समझाया कि कैसे हम अपने दैनिक जीवन में जल का संरक्षण कर सकते हैं। और जल संरक्षण की शुरवात सबसे पहले पने घर से करें। जल संरक्षण कार्यशाला से पहले महावीर जयंती पर गीतिका का संगान किया और मधु देवी पारख ने महावीर स्वामी के जीवनी पर प्रश्नोत्तर पूछे। धन्यवाद ज्ञापन रेखा दुगड़ ने किया। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष लता कोठारी ने किया।

संयम का मार्ग तलवार पर चलने के समान है : मुमुक्षु दिलीप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ सेंट्रल के तत्वावधान में शहर के महावीर जैन कॉलेज परिसर में आचार्य पार्श्वचन्द्रजी, डॉ. पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह का आयोजन हुआ। इससे पूर्व महावीर धर्मशाला में आयंबिल ओली तप आराधकों का पारणा एवं तप अनुमोदना कार्यक्रम हुआ। महावीर धर्मशाला से मुमुक्षु दिलीपकुमार धोका की 11 जून को रायचूर में होने वाली जैन भागवती दीक्षा की अनुमोदनार्थ शोभायात्रा निकाली गई जो कार्यक्रम स्थल पहुंचकर अभिनंदन समारोह में परिवर्तित हो गई। इस आयोजन में पदमचंद्रमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि आज नौ दिवसीय ओली तप आराधकों का अभिनंदन समारोह है।

अन्नादान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के माधावरम् में जीएनटी रोड स्थित आदिनाथ आशीर्वाद अपार्टमेंट में रविवार को सड़क पर चलने वाले सैंकड़ों राहगीरों को अन्नदान किया गया। अन्नदान कार्यक्रम महेन्द्र कुसुम जैन परिवार द्वारा रखा गया। वार्ड पार्षद श्री कार्तिकेयन जी ने अन्नदान का कार्यक्रम शुरू करवाया। इस मौके पर प्रेम बाफना, हसमुख रांका, सुगन सांखला सहित अनेक अपार्टमेंटवासियों की उपस्थिति रही।

प्रभु भक्ति — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानकवासी जैन महिला संगठन ताम्बिलनाडू के द्वारा परमात्मा भगवान महावीर जन्मोत्सव के उपलक्ष में प्रभु भक्ति एवं चौवीसी संगीत प्रतियोगिता का आयोजन एस एस जैन स्थानक मिंट स्ट्रीट के प्रांगण में सुशीला कमल नाहर, कमलाबाई ओस्तवाल, कमलाबाई चौरडिया के अर्थ सहयोग से निर्णायिक एवं संस्था अध्यक्ष कमला एस मेहता की अध्यक्षता में आयोजन सम्पन्न हुआ। अनेक मंडलों की कई टीमों के साथ कार्यक्रम सफल हुआ। कर्मठ कार्यकर्ता हेमलता संचेती ने सबको धन्यवाद दिया। मंच का संचालन संस्था कोषाध्यक्ष सुनीता मेहता ने किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.